जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:183 दिनांक:14-06-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

कुवैत में लगी भीषण आग में घायल हुए लोगों की सहायता के लिए किये जा रहे कार्यों की निगरानी करने और मारे गए लगभग 40 भारतीयों के शवों को शीघ्र भारत भेजने के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह बृहस्पतिवार को कुवैत पहुंचे।

बुधवार को भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में पुनः निर्वाचित हुए पेमा खांडू ने गुरुवार को लगातार तीसरी बार अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल के.टी. परनायक ने ईटानगर के दोरजी अन्य कैबिनेट मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

एनटीए ने 1563 छात्रों के ग्रेस मार्क्स किए रद्द, दोबारा देना होगा एग्जाम...

23 जून को परीक्षा होगी, 30 जून तक मिलेगा रिजल्ट

नीट छात्रों की बड़ी जीत!

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री बोले- पेपर लीक होने का कोई सबूत नहीं

भोपाल (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार याचिकाकर्ता को कहा कि आपकी बात एनटीए ने मान ली है। वो ग्रेस मार्क को हटा रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा की केवल वो छात्र ही शामिल होंगे जिनको ग्रेस मार्किंग मिली थी। एनटी ने कहा 23 जून को दोबारा परीक्षा (1563) होगी उसके बाद काउंसलिंग होगी। एनटीए ने कहा की तीसरी याचिका में पेपर लीक का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष नही है। एनटीए ने कहा कि परीणाम 30 जून से पहले आ सकता है।

नीट परीक्षा परिणाम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर हैं, जिसमें से ग्रेस मार्क्स, री-एग्जाम और परीक्षा कैंसिल वाली याचिकाओं पर गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ मामले की सुनवाई करेगी। नीट परीक्षा को लेकर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में भी सुनवाई हुई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि काउंसलिंग नहीं रोकी जाएगी। वहीं, एनटीए ने कहा है कि वे हाईकोर्ट में दायर सभी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर कराने के लिए पिटीशन फाइल करेंगे।

किसी छात्र का नुकसान नहीं होने देंगे

उधर, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं मिला है। एनडीए में भ्रष्टाचार नहीं मिला है। यह बहुत विश्वसनीय निकाय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट मामले पर सुनवाई कर रहा है और हम उनका आदेश मानेंगे। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि किसी छात्र को नुकसान न हो।

दोषियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। नीट की परीक्षा में 24 लाख छात्र बैठे। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है और यह सुनवाई 1563 छात्रों के संबंध में है। सरकार कोर्ट में जवाब देने के लिए तैयार है। इस मुद्दे पर सरकार ने शैक्षिक जगत से जुड़े लोगों की एक समिति बनाई जा रही है। इस समिति की रिपोर्ट को कोर्ट में पेश किया जाएगा। एनटीए ने देश में तीन बड़ी परीक्षाएं नीट, जेईई और सीयूईटी सफलतापूर्वक आयोजित कराई हैं। घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पेपर लीक का कोई सबूत नहीं मिला

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि मैं छात्रों और उनके परिजनों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत सरकार और एनटीए सभी प्रभावितों को न्याय दिलाएगी। 24 लाख छात्रों ने सफलतापूर्वक नीट की परीक्षा दी है। कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। न ही इसका कोई सबूत मिला है। 1563 बच्चों की दोबारा परीक्षा के लिए कोर्ट ने जो तरीका सुझाया है, उसके मुताबिक ही काम होगा और हम कोर्ट के आदेश को स्वीकार करते हैं।

26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव

राष्ट्रपति ने अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव संपन्ना होने के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। सरकार का गठन होने के साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालय भी सौंप दिए गए हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि 18वीं लोकसभा का स्पीकर कौन होगा? इस प्रश्न का उत्तर 26 जून को मिल जाएगा। दरअसल 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है।

उधर इस तरह की भी खबरें हैं कि राजस्थान की कोटा-बूंदी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले ओम बिड़ला को एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर की कमान सौंपी जा सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन डी पुरुंदेश्वरी के नाम पर भी चर्चा चल रही है।

तीसरी बार एनएसए बनाए गए अजीत डोभाल

-पीके मिश्रा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रहेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार 3.0 में अजीत डोभाल तीसरी बार एनएसए बने रहेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा भी पद पर बने रहेंगे। इस तरह उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के साथ पूरा होगा। अजीत डोभाल और पीके मिश्रा को अपने कार्यकाल के दौरान कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। अमित खरे और तरूण कपूर भी अगले आदेश तक पीएम मोदी के सलाहकार के रूप में बने रहेंगे। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

अजीत डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। तब से डोभाल ही इस पद को संभाल रहे हैं। उनसे पहले शिवशंकर मेनन देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। 1968 बैच के आईपीएस अधिकारी अजीत डोभाल को कूटनीतिक सोच और काउंटर टेररिज्म का विशेषज्ञ माना जाता है।

पीके मिश्रा बने रहेंगे प्रधान सचिव

उधर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजीत डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। आईएएस (सेवानिवृत्त) पीके मिश्रा को 10 जून 2024 से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। पीके मिश्रा 1972 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह पिछले 1 दशक से प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रधान सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। पीके मिश्रा प्रशासनिक मामले और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में नियुक्तियों का काम देखेंगे। इसके अलावा अजीत डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य मामले और इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी संभालेंगे।

आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया निर्देश

जम्मू-कश्मीर में 4 दिन में 4 आतंकी हमले, पीएम मोदी ने की हालात की समीक्षा,

गुफाओं में छिपे 58 पाकिस्तानी आतंकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा में पिछले चार दिनों में चार आतंकी घटनाएं हुई हैं। इसमें 9 श्रद्धालुओं की जान चली गई। 1 जवान शहीद हुआ और 2 आतंकी मारे गए। चारों घटनाओं में 6 जवानों समेत कुल 49 लोग घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। उन्हें जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा संबंधी स्थिति से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने उनसे आतंकवाद रोधी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने को कहा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी फोन बात की व आंतकवाद रोधी अभियानों पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और केंद्र शासित प्रदेश का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय बलों की खुफिया इकाई से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, जेएंडके के घने जंगलों में स्थित प्राचीन भूलभुलैया गुफाओं में 58 पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हैं। लगभग 32 स्थानीय आतंकी भी उनके साथ हैं। इसके अलावा करीब दो दर्जन ऐसे लोग हैं, जो दहशतगर्दों के लिए मुखबिरी और सप्लाई चेन का काम करते हैं। भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जेकेपी, उन प्राकृतिक गुफाओं तक पहुंच रही है, जहां पाकिस्तानी और लोकल आतंकी छिपे हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सीक्रेट प्लान के मुताबिक, आतंकी जिंदा या मुर्दा, लेकिन वे बाहर घसीटे जाएंगे। जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी इलाके में बीहड़ जंगल हैं। इन्हीं जंगलों में अनेक प्राकृतिक गुफाएं मौजूद हैं। गत वर्ष सेना प्रमुख, जनरल मनोज पांडे ने कमांडरों की एक बैठक में यह निर्देश दिया था कि प्राकृतिक गुफाओं में छिपे बैठे आतंकियों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए। उनके ठिकानों पर जोरदार प्रहार किया जाए। इसके बाद कई स्थानों पर सुरक्षा बलों के खास ऑपरेशन शुरु किए गए हैं। पीर पंजाल रेंज के तहत आने वाले राजौरी-पुंछ के वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की टीमें पहुंच रही हैं। ऑपरेशन में सीआरपीएफ का कोबरा दस्ता, जो जंगल वॉरफेयर में एक्सपर्ट है, उसकी मदद ली जा रही है।

कई गुफाएं संघन वन में

सूत्रों के मुताबिक, कई प्राकृतिक गुफाओं में पाकिस्तानी दहशतगर्द छिपे हुए हैं। कुछ गुफाएं ऐसी जगह पर स्थित हैं, जहां तक सुरक्षा बलों की सीधी पहुंच नहीं है। आतंकी, ऊंचाई का फायदा उठाते हैं। गत वर्ष दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के कोकेरनाग जंगल क्षेत्र में छह सात दिन चले ऑपरेशन में दो आतंकियों के मारे जाने का दावा किया गया था। यहां पर आतंकी, प्राकृतिक गुफा में छिपे हुए थे। जब सुरक्षा बलों ने गुफा की तरफ चढ़ाई की, तो आतंकियों ने फायरिंग कर दी। उस हमले में भारतीय सेना का एक कर्नल, एक मेजर और एक डीएसपी शहीद हो गए थे। ऑपरेशन के छठे दिन, एक अन्य जवान की बॉडी मिली थी। उसके बाद भी जंगलों में आतंकियों ने हमलों को अंजाम दिया। पिछले माह जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के वाहन पर हमला किया था। उस हमले में एक सैनिक शहीद हुआ, जबकि कई अन्य सैनिक घायल हो गए थे।

नीट विवाद में पीएम मोदी की चुप्पी, कांग्रेस का तंज....... शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीट परीक्षा परिणाम विवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को लेकर कांग्रेस ने तंज कसा है। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने एनईईटी परीक्षा मुद्दे पर जवाब नहीं देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की। कांग्रेस नेता गौगोई ने कहा कि देश में जहां अधिकांश छात्रों का भविष्य सरकारी परीक्षाओं पर निर्भर करता है, युवा छात्र इस नीट परीक्षा को लड़ने के लिए वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें पता चलता है कि केंद्र सरकार उनके प्रयासों को महत्व नहीं देती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा केंद्रों और कोचिंग सेंटरों के बीच अनौपचारिक बंधन के परिणामस्वरूप कई परिवार सदमे में हैं, क्योंकि उन्होंने प्रश्न पत्र लीक करने के लिए 10, 20 लाख की मोटी रकम की मांग की थी। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) इसकी जांच कर पाएगी? यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि पेपर लीक हो रहे हैं, तब इसमें एनटीए अधिकारी की संलिप्तता है।

उन्होंने कहा कि मैं चुनाव के बाद सबसे पहले बोलने पर राहुल गांधी की सराहना करता हूं, और बताया कि यह दाग 20 लाख भारतीय युवाओं के भविष्य को कैसे प्रभावित करता है।

फिर भी हंगामे के बीच कहां हैं पीएम मोदी? उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में व्यस्त होकर वह छात्रों को परीक्षा के बारे में सलाह देते थे, लेकिन अब, जब नीट अपने सबसे बड़े घोटाले में फंस गया है, तब चुप्पी क्यों?

येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में किया जाएगा गिरफ्तार

बेंगलुरू (ईएमएस)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि जरूरत पडने पर वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में गिरफ्तार किया जाएगा, उन्होंने कहा कि राज्य का आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) इस पर फैसला करेगा। पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 17 वर्षीय लडक़ी से छेड़छाड़ की थी। इस बीच गिरफ्तारी के डर से येदियुरप्पा ने कर्नाटक हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। अदालत ने मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। बुधवार को सीआईडी ने येदियुरप्पा को यौन उत्पीडऩ मामले में पूछताछ के लिए पेश होने के लिए समन भेजा था।

येदियुरप्पा ने सीआईडी के नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि वह दिल्ली में अपनी मौजूदगी का हवाला देते हुए 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित होंगे। लडक़ी की मां ने 14 मार्च को सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने वरिष्ठ भाजपा नेता पर पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी की धारा 354ए (यौन उत्पीडऩ) के तहत आरोप लगाया।

तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले के मामले में पुलिस ने 50 संदिग्धों को हिरासत में लिया

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के रियासी में रविवार को तीर्थयात्रियों की बस पर हुए आतंकी हमले के मामले में पुलिस ने 50 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इन लोगों पर हमले की साजिश में शामिल होने का शक है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, कंडा एरिया पुलिस स्टेशन, पौनी में पुलिस की गहन जांच के बाद इन लोगों को हिरासत में लिया गया। इन लोगों के खिलाफ पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिससे उन लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने में मदद मिली।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले चार दिनों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई चार मुठभेड़ों के बाद जम्मू-कश्मीर में स्थिति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की है। प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बात की। प्रधानमंत्री को केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा संबंधी स्थिति और सशस्त्र बलों द्वारा किए जा रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों की पूरी जानकारी दी गई।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर। आर। स्वैन ने पाकिस्तान पर अपने भाड़े के सैनिकों के जरिये यहां का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया और कहा कि भारतीय सेना दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

दिल्ली में गहराया जल संकट......फिर से चर्चा में आ गई मुनक नहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में जल संकट के बीच मुनक नहर चर्चा में है। इस नहर को दिल्ली का वाटर लाइन लाइन भी माना जाता है। दिल्ली सरकार का भी मानना है कि पिछले कुछ समय से मुनक नहर के जरिए आने वाले पानी में 200 क्यूसेक की कमी आई है।

मुनक नहर वर्षों से पानी की चोरी और जल संकट से जूझ रही है। राजधानी की जलापूर्ति का बड़ा हिस्सा हरियाणा से आता है और मुनक नहर से रोजाना 750 क्यूसेक पानी दिल्ली भेजा जाता है। यह पानी हैदरपुर, बवाना, नांगलोई और द्वारका जल उपचार संयंत्रों को आपूर्ति किया जाता है।

नहर में हर तीसरे दिन यहां पर लाशें तैरती दिखाई देती हैं। करीब 35 फीट गहरी नहर में रात के वक्त कई वाहन इसकी जद में आ जाते हैं। क्योंकि शाम होते ही यहां पर घुप अंधेरा हो जाता है।

दिल्ली में जल संकट के बीच मुनक नहर फिर दिल्ली और हरियाणा सरकार की सियासत के केंद्र में है। उपराज्यपाल के निर्देश पर मुनक नहर के आसपास भले ही पेट्रोलिंग शुरू हो गई हो, लेकिन टैंकर माफिया इस नहर में तब से है, जब से अंग्रेजों ने इस नहर को बनवाया था।

मुनक नहर के आसपास अवैध तरीके से बोरवेल खोदकर लाखों लीटर पानी ब्लैक मार्केट बेचा जा रहा है। इससे नहर का जलस्तर गिरता जा रहा है। इस पानी की खरीद फरोख्त ना सिर्फ इलाके के इंडस्ट्रियल एरिया में हो रही है, बल्कि नहर का जलस्तर भी तेजी से कम हो रहा है।

दिल्ली में पानी की आपूर्ति का बड़ा हिस्सा हरियाणा से आता है। 102 किमी लंबी नहर से दिल्ली को हर रोज 750 क्यूसेक पानी मिलता है। हैदरपुर-1, हैदरपुर-2, बवाना, नांगलोई और द्वारका वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स में सप्लाई अगर पानी सप्लाई हो रहा है। दिल्ली की जल आपूर्ति यमुना, अपर गंगा कैनाल, भाखड़ा स्टोरेज और ग्राउंड वाटर से होती है। यमुना से 41 प्रतिशत, अपर गंगा कैनाल से 27 प्रतिशत, भाखड़ा स्टोरेज से 24 प्रतिशत और ग्राउंड वाटर से 9 प्रतिशत पानी की आवश्यकता पूरी होती है।

जाट आंदोलन के दौरान एक वक्त ऐसा भी आया कि मुनक नहर का पानी रोका गया और दिल्ली में पानी का संकट आ गया। दरअसल, इस नहर का रखरखाव हरियाणा सरकार का दायित्व है। पिछले कुछ सालों में मुनक नहर से पानी की चोरी और कमी के कारण दिल्ली में पानी का संकट और गहरा हो गया है। फिलहाल, दिल्ली में पानी की मांग 1296 एमजीडी है। जबकि सप्लाई सिर्फ 1000 एमजीडी है। इस कमी को पूरा करने के लिए मुनक नहर का उचित रखरखाव, पाइपलाइनों की मरम्मत और इसकी क्षमता बढ़ाना जरूरी है। इससे सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी और जल संकट कम होगा।

यूपी में कांग्रेस को सपा के बाद......बसपा का साथ पसंद

कांग्रेस नेता ने दिया मायावती को न्यौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के गठबंधन ने सीटों के लिहाज से उत्तर प्रदेश में दम दिखाया। इंडिया गठबंधन को सूबे की 80 में से 43 सीटों पर जीत मिली और पिछले चुनाव में 62 सीटें जीतने वाली भारतीय जनता पार्टी को मात्र 33 सीटें मिल सकी। यूपी में लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर दम दिखाने के बाद कांग्रेस की नजर अब मायावती पर है।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को इंडिया ब्लॉक में शामिल होने का न्यौता दिया है। कांग्रेस नेता तिवारी ने कहा है कि अगर बसपा महागठबंधन के साथ रही होतीं, तब यूपी का रिजल्ट कुछ और होता। उन्होंने दावा किया कि बसपा इंडिया ब्लॉक के साथ होती तब इंडिया ब्लाक 80 की 80 सीटें जीत लेता।

उन्होंने कहा कि हम हाथ पर गिन कर बता सकते हैं कि बसपा अगर हमारे साथ होती तब 16 सीटों पर नतीजे बदल जाते। जिन सीटों पर हम हारे हैं, उन सीटों पर बसपा के उम्मीदवार इतना वोट पा गए जितने मिल जाने पर हम जीत सकते थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मायावती को हमारी यही सलाह है कि अगर बीजेपी को हराना चाहती हैं, तब महागठबंधन के साथ आ जाए।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के नेता लगातार कहते रहे कि हमारे दरवाजे बसपा के लिए अंतिम समय तक खुले रहे.....लेकिन मायावती ने एकला चलो का नारा दे दिया था। अब चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस को बसपा के गठबंधन में आने की उम्मीद है, यह आस आधारहीन नहीं है। तब से अब तक परिस्थितियां बहुत बदल चुकी हैं। लोकसभा चुनाव में 10 सांसदों के साथ बीजेपी के बाद यूपी में दूसरे नंबर की पार्टी के रूप में उतरी बसपा इस बार खाली हाथ रह गई है। उसका वोट शेयर भी इस बार कांग्रेस से भी कम रहा है। यूपी विधानसभा में पहले से ही एक सीट है। अब लोकसभा में सूपड़ा साफ होने के बाद बसपा के अस्तित्व पर सवाल उठने लगे हैं। लोकसभा चुनाव 2014 में भी बसपा शून्य पर सिमट गई थी।

अब सवाल उठ रहे हैं कि विपक्षी गठबंधन 43 सीटें जीतकर सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा है। फिर कांग्रेस क्यों चाहती है कि बसपा भी उसके साथ आ जाए? दरअसल, इसका जवाब हाल ही में आए लोकसभा चुनाव के नतीजों में छिपा है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक सीट पर एक उम्मीदवार का फॉर्मूला दिया था। यूपी में बसपा के गठबंधन से दूर रहने की वजह से यह फॉर्मूला लागू नहीं हो सका फिर भी इंडिया ब्लॉक 43 सीटें जीतने में सफल रहा। इसके बाद कांग्रेस नेताओं को शायद ये लग रहा है कि सपा के साथ अगर बसपा भी इंडिया ब्लॉक में आ जाए, तब सूबे में बीजेपी को और कम सीटों पर रोका जा सकता है।

वायनाड सीट से चुनाव में उतर सकतीं हैं प्रियंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में चर्चा है कि राहुल गांधी उत्तरप्रदेश के रायबरेली से ही लोकसभा का प्रतिनिधित्व करेंगे। वायनाड सीट राहुल छोड़ने वाले हैं। इस सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रियंका गांधी कांग्रेस की उम्मीदवार हो सकती हैं।

इसी के साथ कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की चुनावी राजनीति में एंट्री हो सकती है। सूत्रों के अनुसार प्रियंका गांधी राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली होने वाले वायनाड सीट से चुनाव में उतर सकतीं हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी 18 वीं लोकसभा चुनाव में 2 सीटों से चुनाव में उतरे थे। केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट, दोनों ही जगहों पर उन्हें जीत मिली थी।

खांडू ने तीसरी बार अरुणाचल के सीएम की शपथ ली

-2016 से इस पद पर हैं; चाउना मीन फिर से डिप्टी सीएम बने

ईटानगर (ईएमएस)। पेमा खांडू गुरुवार 13 जून को लगातार तीसरी अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके बाद चाउना मीन ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेशन सेंटर में हो रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा कार्यक्रम में शामिल हुए।

पेमा खांडू 2016 से अरुणाचल के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने नबाम तुकी के इस्तीफे के बाद पहली बार पदभार संभाला था। जब खांडू पहली बार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, तब वे कांग्रेस के साथ थे। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान वे भाजपा में शामिल हो गए। बुधवार 12 जून को ईटानगर में हुई बैठक में खांडू को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। मीटिंग में भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ शामिल थे। इसके बाद खांडू सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राज्यपाल केटी परनायक से मिले थे।

अजित पवार की पत्नी ने राज्यसभा के लिए किया नामांकन

-प्रफुल्ल पटेल के इस्तीफे के बाद सीट खाली थी

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार गुरुवार (13 जून) को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। एनसीपी (अजित गुट) के सांसद प्रफुल्ल पटेल के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र की बारामती सीट से चुनाव भी लड़ा था। उनके सामने शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले थीं। चुनाव में सुनीता अपनी ननद से लगभग डेढ़ लाख वोटों से हार गई थीं। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि पार्टी के कोर ग्रुप के सदस्यों ने सुनेत्रा पवार को राज्यसभा सीट देने का फैसला सर्वसम्मति से किया है। कई लोग वह सीट चाहते थे, लेकिन चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि सुनेत्रा पवार को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए। मैं इस फैसले से बिल्कुल भी परेशान नहीं हूं।

नागपुर में पटाखा बनाने वाली कंपनी में विस्फोट, 6 की मौत, एटीएस की टीम मौके पर

नागपुर, (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के धामणा में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्रायवेट लिमिटेड नाम के पटाखा कंपनी में बड़ा विस्फोट हुआ है. इस धमाके में 6 लोगों की मौत होने की खबर है. मृतकों में चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। जबकि 4 लोग घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. यह हादसा गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ. घटना के सुचना मिलते ही मौके पर आपातकालीन व्यवस्था पहुंची। साथ ही एटीएस की 8 से 10 लोगों की टीम भी मौके पर पहुंची। बताया गया है कि हिंगणा तालुका के धामणा में चामुंडी एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड नामक पटाखा फैक्ट्री है। जहां पटाखे बनाए जाते हैं. रोजाना की तरह गुरुवार को भी सभी कर्मचारी काम पर आ गये थे. दोपहर करीब एक बजे फैक्ट्री के पैकेजिंग विभाग में आग लग गई। बारूद के कारण जोरदार विस्फोट हुआ. जब विस्फोट हुआ तब 10 लोग वहां काम कर रहे थे. हादसा इतना भयानक था कि उसमें काम कर रहे छह लोगों की मौत हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में चार महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। मृतकों के नाम प्रांजलि मोद्रे (22), प्राची फाल्के (20), वैशाली क्षीरसागर (20), मोनाली अलोने (27) और पन्नालाल बंडेवार (50) है। जबकि घायलों के नाम शीतल चपट (30), दानसा मरसकोल्हे (26), श्रद्धा पाटिल (22) और प्रमोद चावरे (25) हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन सभी की हालत गंभीर है. हादसे के बाद कंपनी के मैनेजर और मालिक फरार हैं. पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंघल ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी. स्टॉक किए गए सामान में विस्फोट की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है.

18 को जारी होगी किसान सम्मान की किस्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करेंगे। पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से देश के 9.3 करोड़ों किसानों को 2-2 हजार रुपए की किस्त ट्रांसफर करेंगे। इसमें 20 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे। इससे पहले 28 फरवरी को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त जारी हुई थी। इसमें 21 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा किसानों को ट्रांसफर किए गए थे। इस योजना के तहत सरकार हर साल किसानों के अकाउंट में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तों में 6000 रुपए ट्रांसफर करती है।

बिल्डिंग मालिक का लालच......बना 41 भारतीयों की मौत की वजह

कंपनी और बिल्डिंग मालिक की गिरफ्तारी के आदेश

दोहा (ईएमएस)। कुवैत के मंगफ शहर में बहुमंजिला इमारत में आग लगने से 41 भारतीयों की मौत हो गई। घायल 50 लोगों में भी अधिकांश भारतीय ही हैं। मामले की गंभीरता को देखकर भारत सरकार ने विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्द्धन सिंह को फौरान कुवैत के लिए रवाना किया है।

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने घटना पर गहरा शोक जताया है। भरपूर तेल भंडार वाले देश में तकरीबन 10 लाख भारतीय रहते हैं जो वहां की आबादी का 21 प्रतिशत है। वहीं इस भयावक घटना पर कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह ने अधिकारियों को अग्निकांड की जांच का आदेश देकर कहा कि जिन लोगों के चलते यह त्रासदी हुई है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। कुवैत के आंतरिक मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ ने घटना के लिए भवन के मालिक को जिम्मेदार ठहराकर गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ ही जिस कंपनी के श्रमिकों को एक साथ इसमें रखा गया था, उनके मालिक को भी गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। शेख फहद ने कहा है कि यह घटनाक्रम भवन के मालिक की लालच की वजह से हुआ है। कंपनी ने अपने फायदे के लिए बड़ी संख्या में एक ही भवन में बहुत ज्यादा श्रमिकों को भर दिया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के कई भवन मंगफ इलाके में हैं, जहां सैकड़ों मजदूरों को बहुत ही खराब हालात में रहने के लिए मजबूर किया जाता है। हमारी सरकार ये तय करेगी कि भविष्य में इसतरह की घटना फिर से नहीं हो।

जम्मू-कश्मीर के स्कूलों में राष्ट्रगान को शामिल करने के निर्देश ,घाटी के स्कूलों में गूंजेगा जन गण मन...

नई दिल्ली (ईएमएस)। शिक्षा विभाग ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के हर स्कूलों में सुबह की असेंबली की शुरआत करने और इसमें अनिवार्य रूप से राष्ट्रगान को शामिल करने का निर्देश दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव ने एक परिपत्र के माध्यम से सभी स्कूलों को केंद्र शासित प्रदेश में सुबह की सभा को एक समान बनाने का निर्देश दिया। बुधवार को जारी सर्कुलर में कहा गया, मानक प्रोटोकॉल के अनुसार सुबह की सभा की शुरुआत राष्ट्रगान से होनी चाहिए।

विभाग ने कहा कि मॉर्निंग असेंबली छात्रों के बीच एकता और अनुशासन की भावना पैदा करने में एक अमूल्य अनुष्ठान साबित हुई हैं। असेंबली नैतिक अखंडता, साझा समुदाय और मानसिक शांति के मूल्यों को पोषित करने के लिए मंच के रूप में काम करते हैं। हालांकि, यह देखा गया है कि इस तरह के एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान/परंपरा को जेके यूटी के विभिन्न स्कूलों में समान रूप से नहीं चलाया जा रहा है। सर्कुलर में स्कूलों को पालन करने के लिए 16 कदम सुझाए गए थे। विभाग ने अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित करने, पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ स्कूलों को सुबह की सभाओं में शामिल करने के कुछ कदमों के रूप में सुझाव दिया।

पीएम को दी गई जम्मू-कश्मीर के हाल की जानकारी

उधर, प्रधानमंत्री ने एनएसए और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। पीएम को जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हालात की पूरी जानकारी दी गई और उन्हें आतंकवाद विरोधी प्रयासों से अवगत कराया गया। पीएम ने उनसे हमारी आतंकवाद विरोधी क्षमताओं का पूरा स्पेक्ट्रम तैनात करने को कहा। पीएम ने गृहमंत्री अमित शाह से बात की और सुरक्षा बलों की तैनाती और आतंक विरोधी अभियानों पर चर्चा की।

एलजी मनोज सिन्हा से भी पीएम मोदी ने की बात

पीएम ने जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा से भी बात की और जम्मू-कश्मीर के हालात का जायजा लिया। पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। पीएम ने जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा से भी बात की और जम्मू-कश्मीर के हालात का जायजा लिया। पीएम को स्थानीय प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई।

जन हितैषी

भारत की शुद्ध घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर

भारत में कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएं और भारतीय परिवारों मे कर्ज का बोझ पिछले 10 सालों से बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पहले फ्लैट और मकान के लिए लोग कर्ज लेते थे। अब हर काम के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। सरकारों ने भी विकास योजनाओं के नाम पर भारी कर्ज लिया है। लोक लुभावन योजनाओं में कर्ज की राशि को खर्च किया है। जिन योजनाओं के लिए कर्ज लिया गया। वह समय पर पूरी नहीं हुई। विकास योजना जिसके लिए कर्ज लिया जाता है। उसकी आय, ब्याज और किस्त की तुलना में काफी कम वसूली होती है। जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में सरकारों और स्थानीय संस्थाओं द्वारा लगातार आम जनता पर टैक्स बढ़ाया जा रहा है। टैक्स बढ़ने से महंगाई भी बढ़ रही है। भारतीय परिवारों की क्रय शक्ति कर्ज के कारण पिछले वर्षों में तेजी के साथ बढी थी। लेकिन अब मध्य एवं निम्न वर्ग कर्ज की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं। कर्जदार के डिफाल्टर होने से वित्तीय संस्थानों आर्थिक की स्थिति गड़बड़ा रही है। बाजार में उपभोक्ताओं की वस्तुओं की मांग भी कम होने लगी है। पिछले एक दशक में भारतीय परिवारों में सोना, चांदी और जेवरात में निवेश करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनावश्यक खर्च उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। खर्च चलाने के लिए बैंक और एनएफसी कंपनियों से लोग पर्सनल लोन ले रहे हैं। जिसके कारण लोगों की बचत साल दर साल कम होती जा रही है। बचत बढ़ने के स्थान पर भारतीय नागरिकों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में प्रॉपर्टी में निवेश बढ़ा है। इसमें कर्ज ज्यादा है, बचत का हिस्सा बहुत कम है। जिसके कारण लोगों पर ब्याज और किस्त का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। भारत सरकार ने बचत को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय बचत संगठन, डाकघर, राष्ट्रीयकृत बैंक, बचत प्रमाण पत्र, भविष्य निधि के माध्यम से बचत में निवेश बढ़ाने के जो प्रयास पिछले कई दशकों में किए गए थे। उसमें 47 वर्ष के बाद सबसे कम बचत देखने को मिल रही है। 1991 में आर्थिक सुधार कार्यक्रम भारत में लागू किए गए। उसके बाद से कर्ज लेने की प्रवृत्ति भी तेजी के साथ बढी है। दुनिया के देशों में पहले भारत को बचत करने वाले देश के रूप में पहचान थी। लेकिन अब बचत के मामले में भारत लगातार पिछड रहा हैं। अफ्रीका जैसे छोटे देश भी बचत के मामले में भारत से बेहतर स्थिति में है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए हैं। उसके अनुसार भारत में शुद्ध घरेलू बचत पिछले 47 सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह सबसे ज्यादा चिंता की बात है। वर्ष 2023 में बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में मात्र 5.3 फ़ीस दी रह गई है। जो 2022 में 7.3 फीसदी थी। कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवत्ती भारत में सभी वर्गों के बीच में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा आर्थिक दबाव में है। महंगाई, बे रोजगारी और कर्ज के बोझ से देश में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। सरकार को बचत योजनाओं में बचत बढ़ाने के लिये प्रोत्साहन देने के लिए आम लोगों को राहत देने पर विचार करना होगा। वहीं कर्ज लेकर घी पीने की जो प्रवृत्ति भारतीय समुदाय में बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। उसको नियंत्रित करने की जरूरत है। समय रहते यदि आय और व्यव के असंतुलन पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में भारतीयों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की जो प्रवृत्ति पिछले वर्षों में सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। उसको बदलना अब जरूरी हो गया है। भारत में 90 के पहले कर्ज लेने को सामाजिक बुराई माना जाता था। कर्जदार को सामाजिके प्रतिष्ठा नहीं मिलती थी। 1993 के बाद जितना ज्यादा कर्ज उतनी बड़ी सामाजिक प्रतिष्ठा के रूप में देखा जाने लगा। जिसके नुकसान अब सामने देखने को मिल रहे हैं।

पराजय पर विलाप, जनादेश का अपमान

जनादेश 2024 तो ज़रूर आ चुका है परन्तु षड्यंत्रकारी एक्ज़िट पोल की हवा निकलने के बाद आये आश्चर्यचकित करने वाले इस जनादेश ने ख़ास तौर पर उन लोगों के मुंह का स्वाद बिगाड़ कर रख दिया है जो अबकी बार 400 पार जैसे फ़र्ज़ी नारों और गोदी मीडिया द्वारा प्रचारित झूठे एक्ज़िट पोल में दिखाई गयी मोदी के नेतृत्व में भाजपा की धमाकेदार वापसी की पूरी उम्मीद लगाये बैठे थे। सत्ता की दलाली करने वाले एक चैनल ने तो अपने एक्ज़िट पोल में एन डी ए को 400 पार करा भी दिया था। परन्तु भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इस बार के परिणाम कुछ ऐसे आये हैं कि एन डी ए बहुमत के आंकड़ों को पार करने के बावजूद विलाप कर रहा है जबकि बहुमत के आंकड़ों से दूर रहने के बाद भी विपक्षी गठबंधन में जश्न का माहौल है। चुनाव परिणाम जो भी हों परन्तु परिपक्व राजनीति का तक़ाज़ा तो यही है कि भारतीय लोकतंत्र में जनमत चाहे जो भी हो जैसा भी हो उस का सम्मान किया जाना चाहिये व उसे विनम्रतापूर्ण स्वीकार किया जाना चाहिये।

परन्तु इस बार के चुनाव परिणामों के बाद ख़ासतौर पर कुछ विशेष सीटों पर मिली पराजय या उनके अप्रत्याशित नतीजों के बाद पराजित पक्ष के लोगों ने अपना ग़ुस्सा मतदाताओं पर निकालना शुरू कर दिया है। कई पराजित लोग तो मतदाताओं के निर्णय की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। इनमें सबसे अधिक व तीखी प्रतिक्रिया फ़ैज़ाबाद संसदीय सीट को लेकर सुनाई दी। इसी लोकसभा सीट के अन्तर्गत अयोध्या विधानसभा क्षेत्र भी आता है जहां निर्मित राम मंन्दिर को लेकर भारतीय जनता पार्टी न केवल फ़ैज़ाबाद,न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के मतदाताओं से यह आस लगाये बैठी थी कि इसी वर्ष 22 जनवरी को हुये राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद उसे ऐतिहासिक बहुमत हासिल होगा। इसी सीट से लल्लू सिंह जो कि बाल्यकाल से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं तथा पांच बार अयोध्या से विधायक और दो बार फैज़ाबाद लोकसभा सीट से ही लोकसभा का चुनाव भी जीत चुके हैं वह तीसरी बार भी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ इसी लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में थे। परन्तु यहाँ के मतदाताओं ने एक अप्रत्याशित जनादेश देते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अर्थात इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को 54,567 मतों से जिता दिया। केवल अयोध्या ही नहीं बल्कि चित्रकूट,मेहंदीपुर बालाजी,सलासर धाम जैसी और भी अनेक धर्म नगरियां हैं जहाँ भाजपा धर्म ध्वजा के सहारे जीत हासिल करना चाहती थी परन्तु ऐसे सभी क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशियों को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। हद तो यह है कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने स्वयं को अवतारी होने का भ्रम पाल रखा था और 2019 के चुनाव में काशी से ही 4 लाख 71 हज़ार के अंतर से जीत हासिल की थी वे इस बार कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय को मात्र 152513 मतों से ही पराजित सके। जबकि ऐतिहासिक रोड शो, प्रेस कॉन्फ्रेंस और गंगा में क्रूज़ यात्रा जैसी शो बाज़ियों के सहारे वे इस बार 10 लाख से अधिक मतों से जीतने का सपना देख रहे थे। राजनैतिक विश्लेषकों का तो यहाँ तक कहना है कि यदि कांग्रेस ने मोदी के मुक़ाबले प्रियंका गांधी को उतारा होता तो शायद इस बार वे प्रधानमंत्री बनना तो दूर सांसद भी नहीं बन पाते।

ठीक इसके विपरीत कांग्रेस समाजवादी गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में वह धमाका कर दिया जिसकी शायद इण्डिया गठबंधन को भी उम्मीद नहीं थी। यहाँ इण्डिया गठबंधन ने 42 सीटों पर जीत हासिल की। उधर भाजपा द्वारा पप्पू प्रचारित किये गए राहुल गाँधी जहां वायनाड से 3.64 लाख वोटों से जीते वहीं उन्होंने उत्तर प्रदेश के मंत्री बीजेपी के प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से 3.90 लाख वोटों से पराजित किया। उपरोक्त जनादेश निश्चित रूप से न केवल मंहगाई,बेरोज़गारी,साम्प्रदायिकता तथा धर्म के नाम पर समाज को विभाजित कर जन सरोकार के मूल मुद्दों से जनता जनार्दन का ध्यान भटकाकर उसे धार्मिक भावनाओं में उलझाकर रखने के विरुद्ध था बल्कि यह जनादेश जनता द्वारा सत्ता का घमंड चूर कर देने के लिये भी था। परन्तु जनता के हाथों अपनी मुंह की खाने वाले भाजपाइयों को जो 400 पार और 370 पार जैसे नारों में जी रहे थे उन्हें यह जनादेश क़तई नहीं भाया। इसलिये न केवल अंधभक्तों ने बल्कि साम्प्रदायिक विद्वेष के बल पर अपनी नैय्या पार करने की इच्छा पाले कई पराजित उम्मीदवारों ने भी मतदाताओं को ही गरियाना शुरू कर दिया।

अयोध्या-फ़ैज़ाबाद के मतदाताओं को तो इतना कोसा गया व उनके लिये ऐसी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया मानो इस लोकसभा सीट की भाजपा ने अपने नाम रजिस्ट्री ही करा ली थी जिसे जनता ने छीन लिया। आख़िर अयोध्या की जनता ने किन कारणों से यह जनादेश दिया ? क्या जो राम को लाये हैं हम उनको लायेंगे जैसा नारा जो भाजपाई लगाते फिर रहे थे वह नारा पूरे देश का सर्वस्वीकार्य नारा है ? क्या शंकराचार्यों से लेकर अयोध्या के साधु संत तक इस अहंकारी नारे से सहमत हैं ? अब तो लोग यही मान रहे हैं कि भगवन राम ने ही अहंकारियों को आईना दिखाया है और चेताया है कि धर्म किसी भी व्यक्ति की निजी आस्था व विश्वास का विषय है राजनीति व सत्ता के लिये दुरूपयोग का नहीं। इसी तरह रायबरेली की जनता के हाथों पराजित भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह तो अपनी शर्मनाक पराजय से रायबरेली के मतदाताओं से इतना आग बबूला हुये कि उन्होंने घोषणा कर दी कि वे एक वर्ष के अवकाश पर रहेंगे और रायबरेली की जनता का कोई काम ही नहीं करेंगे। जिसे काम कराना हो वह राहुल गाँधी के पास ही जाये।

इसी तरह साम्प्रदायिकतावादी भक्तजन भाजपा के सपने टूटने के लिये कहीं मुस्लिम मतदाताओं को ज़िम्मेदार ठहराते हुये अपशब्द कह रहे हैं तो कहीं दलितों व पिछड़ों को गालियां रहे हैं। सवाल यह है कि क्या देश का मतदाता किसी भी दल या राजनेताओं का ग़ुलाम है जो उनकी इच्छाओं के अनुरूप ही मतदान करे ? क्या यह ज़रूरी है कि भक्तों,साम्प्रदायिकतावादियों की नज़रों में जो सबसे ज़रूरी विषय हो मतदाता भी उसे वैसी ही प्राथमिकता दें ? हिमाचल प्रदेश दिल्ली,उत्तरांचल,मध्यप्रदेश,कर्नाटक, उड़ीसा जैसी कई जगहों पर भाजपा ने निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। विपक्षी दलों के नेता उन राज्यों के मतदाताओं को तो गलियां नहीं दे रहे हैं ? बल्कि वहां आत्म मंथन की बात कर रहे हैं। एन डी ए ख़ासकर भाजपाई नेताओं व अंधभक्तों को भी मतदाताओं को गरियाने या परिणाम पर विलाप करने के बजाय आत्म मंथन ही करना चाहिये। पराजय पर इस तरह का विलाप व मतदाताओं को कोसना व गालियां देना तो दरअसल जनता जनार्दन द्वारा दिये गये जनादेश का अपमान ही कहा जायेगा।(लेखक- तनवीर जाफ़री / ईएमएस)

क्या भारत कभी विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाएगा

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार श्री एंग्स मेडिसिन के अनुसार वर्ष 1820 तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, 1820 आते आते चीन भारत से आगे निकल गया था। 1820 से 1870 के बीच चीन एवं भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पूरे विश्व में सबसे आगे थे। वर्ष 1870 से 1900 के बीच ब्रिटेन विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया परंतु ब्रिटेन पर यह ताज अधिक समय तक नहीं टिक सका क्योंकि इसके तुरंत बाद अमेरिका विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया था। इसके बाद तो आर्थिक प्रगति के मामले में अमेरिका एवं यूरोपीयन देश लगातार आगे बढ़ते रहे, विकसित अर्थव्यवस्थाएं बने और एशिया के देशों (विशेष रूप से भारत एवं चीन) का वर्चस्व वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग समाप्त सा हो गया था। परंतु, अब एक बार पुनः समय चक्र बदल रहा है एवं अमेरिका एवं यूरोपीयन देशों की अर्थव्यस्थाएं आर्थिक विकास के मामले में ढलान पर दिखाई दे रही हैं एवं एशिया के देश, विशेष रूप से भारत एवं चीन, पुनः तेज गति से आर्थिक प्रगति करते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपना दबदबा कायम करते नजर आ रहे हैं।

आज अमेरिकी अर्थव्यस्था का आकार लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है और चीन की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 18 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2035 से 2040 के बीच चीन विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं अमेरिका दूसरे नम्बर पर आ जाएगा और भारत तीसरे नम्बर पर आ जाएगा। परंतु, इसके बाद क्या भारत अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नम्बर पर आ पाएगा। इस तरह की चर्चाएं आजकल आर्थिक जगत में होने लगी हैं। आज से लगभग 10 वर्ष पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व में 11वां स्थान था जो आज 3.70 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के आकार के साथ विश्व में 5वें स्थान पर आ गई है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व में चौथे स्थान पर आ जाएगी। इसी प्रकार वर्ष 2027 में जापानी अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगी। गोल्ड्मन सच्स के अनुसार, अगले चार वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा। इसी प्रकार, ब्लूम्बर्ग के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था आगामी वर्षों में लगातार 6 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल करता रहेगा, और अमेरिका एवं चीन की आर्थिक विकास दर से आगे बना रहेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास दर के तेज गति से आगे रहने के पीछे जो कारण बताए जा रहे हैं उनमें शामिल हैं - भारतीय जनसंख्या में वृद्धि होते रहना (अमेरिका एवं चीन में जनसंख्या वृद्धि दर लगातार कम हो रही है), इससे भारतीय घरेलू बाजार मजबूत बना रहेगा एवं उत्पादों की मांग भी भारत में तेज गति से आगे बढ़ती रहेगी। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2050 तक भारत की आबादी बढ़ कर 170 करोड़ नागरिकों की हो जाएगी, इससे भारत अपने आप में विश्व का सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा।

वर्ष 2024 में भारत में उपभोक्ता विश्वास सूचकांक 98.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। दूसरे, भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अत्यधिक मात्रा में पूंजी निवेश किया जा रहा है। भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित श्रेणी में लाने के लिए केवल रोड ही नहीं बल्कि रेल्वे, एयरपोर्ट, ऊर्जा एवं जल व्यवस्था को विकसित करने के लिए भी भरपूर पूंजी निवेश किया जा रहा है।

भारत में आज भी श्रमिक लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है, इससे कई विदेशी कम्पनियां अब चीन के स्थान पर भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित कर रही हैं इससे भारत के औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। भारत ने भी कई उद्योग क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना लागू की है जिसका लाभ विश्व की कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उठा रही हैं एवं अपनी औद्योगिक इकाईयां भारत में स्थापित कर रही हैं।

तीसरे भारत में आज 140 करोड़ की जनसंख्या में से 100 करोड़ से अधिक नागरिक युवा एवं कार्य कर सकने वाले नागरिकों की श्रेणी में शामिल हैं। इतनी बड़ी मात्रा में श्रमिकों की उपलब्धि किसी भी अन्य देश में नहीं है। अन्य विकसित देशों, चीन सहित, में कार्य कर सकने वाले नागरिकों की संख्या लगातार कम हो रही है क्योंकि इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी भी देश में युवा जनसंख्या का अधिक होने से न केवल श्रमिक के रूप में इनकी उपलब्धि आसान बनी रहती है बल्कि इनके माध्यम से देश में उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज होती है तथा युवा जनसंख्या की उत्पादकता भी अधिक होती है जिससे उत्पादन लागत कम हो सकती है। साथ ही, युवाओं द्वारा नवाचार भी अधिक मात्रा में किया जा सकता है। यह सब कारण हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरे विश्व में एक चमकता सितारा बनाने में सहायक हो रहे हैं।

हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदला भी है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना बन रही है। एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है। वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत की रही है और यह वित्तीय वर्ष 2023-24 की समस्त तिमाहियों में लगातार तेज गति से बढ़ती रही है। पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टोबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं। अब आगे आने वाले कालचक्र में वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में परिस्थितियां लगातार भारत के पक्ष में होती दिखाई दे रही हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान लगातार बढ़ते जाने की प्रबल संभावनाएं बनती नजर आ रही हैं। (लेखक-प्रहलाद सबनानी/ईएमएस)

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है।

आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो।

बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फ़र्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं।

सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा? क्या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि चुने जाने के बाद हमारी कानून-व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? क्या होगा हमारे समाज व व्यवस्था का भविष्य? क्यों तमाम आदर्शों की बात करने वाले और दूसरे दलों के नेताओं की कारगुजारियों पर सवाल उठाने वाले नेता राजनीति को अपराधियों के वर्चस्व से मुक्त कराने की ईमानदार पहल नहीं करते? क्यों सभी राजनीतिक दल भारतीय लोकतंत्र में शुचिता एवं पवित्रता के लिये सहमति नहीं बनाते? निश्चित रूप से यदि समय रहते इस दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं होती तो आने वाले वर्षों में दागियों का यह प्रतिशत लगातार बढ़ता ही जाएगा। इसके साथ ही बड़ा संकट यह भी है कि देश के निचले सदन में येन-केन-प्रकारेण करोड़पति बने नेताओं का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। इस बार संसद में चुनकर आए सांसदों में 504 करोड़पति हैं। ऐसे में क्या उम्मीद की जाए कि अपनी मेहनत की कमाई से जीवनयापन करने वाला आम आदमी कभी सांसद बनने की बात सोच सकता है? दागी एवं अपराधी राजनेता लोकतंत्र की एक बड़ी विडम्बना एवं विसंगति बनते जा रहे हैं। बात लोकसभा की ही नहीं है, विभिन्न राज्यों की सरकारों में भी कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है। ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालय के साथ होता है। यह कैसी विवशता है राजनीतिक दलों की? अक्सर राजनीति को अपराध मुक्त करने के दावे की हकीकत तब सामने आ जाती है जब किसी राज्य या केंद्र में गठबंधन सरकार के गठन का मौका आता है। यह खुशी की बात है कि केन्द्र में बनी गठबंधन सरकार के मंत्रिमण्डल में ऐसी विवशता को काफी सीमा तक नियंत्रित किया गया है। सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा करने वालों की केवल एक ही मांग सुनने में आती है कि मरने के बाद हमारी लाश हमारे घर पहुंचा दी जाए। ऐसा जब पढ़ते तो हमारा मस्तक उन जवानों को सलाम करता है, लगता है कि देश भक्ति और कुर्बानी का माद्दा अभी तक मरा नहीं है। लेकिन राजनीति में ऐसा आदर्श कब उपस्थित होगा। राजनीति में चरित्र एवं नैतिकता के दीये की रोशनी मन्द पड़ गई है, तेल डालना होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे और जेल की सलाखें हो या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी-ये गंभीर मसले हैं, जिन पर राजनीति में गहन बहस हो, राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत - सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिए।

सभी अपनी-अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती है। पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज़ कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज़ संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल, साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध-मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है। राजनीति में चरित्र-नैतिकता सम्पन्न नेता ही रेस्पेक्टेबल (सम्माननीय) हो और वही एक्सेप्टेबल (स्वीकार्य) हो। (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8037

बाएँ से दाएँ

1.घूमना-फिरना-4
4.पक्षियों का शोर-4
7.धोखाधड़ी,मक्कारी-5
9.भस्म,खाक -2
11.आज्ञापालक,कर्मचारी-2
12.मगन,लीन-2
13.नेत्रावरण-3
15.त्याग,दक्षिणा-2
16.जीभ,जिव्हा-3
17.मक्खन-3
18.पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19.गर्भ-3
21.निवास,रहना-2
23.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.पानी,नीर-2
25.इच्छा पूर्ति करना-5
29.एक मुस्लिम महीना-4
30.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

1.अनबन,झगड़ा-4
2.भालू-2
3.परिणाम-2
4.प्याला-2
5.बालों का गुच्छा-2
6.वर,इच्छापूर्ति-4
8.नीरज,जलज-3
10.भयानक-5
11.दयालु-5
13.आश्रय,शरण-3
14.करिश्मा,करतब-3
18.तहखाना-4
20.मगरमच्छ-3
22.शलवार,पायजामा-4
25.आनंद-2
26.झुका हुआ-2
27.पत्र,चिट्ठी-2
28.नासिका,घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8036 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नासाउ क्रिकेट स्टेडियम पर चलेगा बुल्डोजर,यहींहुआ था भारत-पाक मुकाबला

न्यूयार्क (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच यहां जिस नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबला खेला गया था उसपर अब बुल्डोजर चलेगा। अब जबकि टूर्नामेंट के बचे हुए मैच वेस्टइंडीज में होने है इस स्टेडियम को तोड़कर पहले की तरह ही पार्क में बदल दिया जाएगा।

इस स्टेडियम को बनाने की शुरुआत सितंबर 2023 में हुई थी। कुछ ही महीनों में यह स्टेडियम बनकर तैयार हो गया था पर अब इसे छह हफ्ते के अंदर तोड़ दिया जाएगा। आईसीसी ने इसे तोड़ने का फैसला अधिकारियों पर छोड़ा है। इस स्टेडियम को पहले की तरह ही आइजनहावर पार्क में बदल दिया जाएगा जहां लोगों के आने जाने की सुविधा होगी। ऐसे में यहां की पिच को लेकर क्या फैसला होगा। ये अधिकारी तय करेंगे।

इस स्टेडियम में कुल 8 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें अब तक हर मुकाबले में गेंदबाज हावी रहे हैं। इस मैदान पर सबसे अधिक स्कोर भी 137 का रहा है। ये कनाडा ने आयरलैंड के खिलाफ बनाया था। यह पिच खेलने लायक नहीं होने के कारण ही इसे तोड़ने का फैसला हुआ है। यहां ड्रॉप इन पिच लगायी गयी है। इन पिचों को किसी अन्य स्थल पर तैयार कर स्टेडिमय में बिछा दिया जाता है। यहां की ड्रॉप इन ऑस्ट्रेलिया में बनायी गयीं थीं।

सुपर आठ में 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से खेल सकती है भारतीय टीम

न्यूयार्क (ईएमएस)। भारतीय टीम अमेरिका के खिलाफ जीत के साथ ही टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी है। यहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान से हो सकता है। इसके बाद उसके मुकाबले 22 और 24 जून को होंगे।

भारतीय टीम तीनो ही मैच जीतकर छह अंक लेकर ग्रुप ए में शीर्ष पर है। भारतीय टीम ने अबतक आयरलैंड, पाकिस्तान, और अमेरिका को हराया है अब उसका अंतिम मुकाबला कनाडा से होगा। सुपर-8 के मुकाबले 19 जून से शुरू होंगे। सुपर 8 की 8 टीमों को दो ग्रुप (1 और 2) में रखा गया है। ग्रुप-1 में ए1, बी2, सी1, डी2 को रखा गया है। वहीं ग्रुप-2 में ए2, बी1, सी2 डी1 को रखा गया है। भारतीय टीम ग्रुप ए में 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है और वह इसी पर रहेगी क्योंकि उसका नेट रनरेट 1.137 है। वहीं अमेरिका के 4 अंक और उसका नेट रनरेट 0.127 है। अब अगर अमेरिका 100 से ज्यादा रन से जीत लेती है तो भी वह रट के मामले में भारत को पीछे नहीं छोड़ सकती।

आईसीसी के कार्यक्रम के अनुसार ए1 टीम के सुपर-8 में तीन मुकाबले क्रमशः 20, 22 और 24 जून को होंगे। इस हिसाब से भारत का 20 जून को वेस्टइंडीज या अफगानिस्तान (सी1) से मुकाबला हो सकता है। भारतीय टीम 22 जून को श्रीलंका या नीदरलैंड (डी2) से खेल सकती है। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप डी में है और ये तय है कि दक्षिण अफ्रीका ही ग्रुप स्टेज खत्म होने पर नंबर-1 पर रहेगी। उसका ग्रप डी में अंतिम मुकाबला नेपाल से है।

भारतीय टीम 24 जून को ग्रुप बी में दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम से खेल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम का मुकाबल स्कॉटलैंड या इंग्लैंड से हो सकता है। इस ग्रुप में अभी ऑस्ट्रेलिया 6 अंक के साथ पहले नंबर पर है। वहीं स्कॉटलैंड 5 नंबर के साथ दूसरे जबकि नामीबिया 2 नंबर के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1 नंबर के साथ ही चौथे स्थान पर है। इंग्लैंड के अभी दो मैच बाकी हैं और अगर वह ये दोनों मुकाबले जीतता है और स्कॉटलैंड अपना आखिरी मैच हारता है तो ही अंक तालिका बदल सकती है, ऐसे में इंग्लैंड नंबर-2 पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया का अंतिम मुकाबला स्कॉटलैंड से है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम सुपर-8 में बी1 के तौर पर प्रवेश करेगी।

अमेरिका में अब तक तीनों ही मैचों में विफल रहे हैं विराट

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन हो रहा है पर भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली उसमें असफल रहे हैं। विराट यहां खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्वकप में अब तक हुए तीनों ही मैचों में रन नहीं बना पाये हैं। इससे ऐसा लगता है कि वह यहां की पिचों को अबतक समझ नहीं पाये हैं।

अमेरिका के खिलाफ मैच में भी वह खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विराट ने अब तक अमेरिकी धरती पर 6 पारियां में केवल 68 रन ही बनाए हैं। इसमें उनका औसत 11.33 जबकि स्ट्राइक रेट 97.14 रन रहा है। पहले तीनों ही मैचों में विराट और रोहित की सलामी जोड़ी विफल रही।

आयलैंड के खिलाफ खिलाफ पहले मैच में विराट और रोहित ने पारी की शुरुआत की। तीसरे ही ओवर में विराट मार्क अडेयर की गेंद पर कैच को गये। वह 5 गेंदों पर 1 ही रन बना पाये।

वहीं पाकिस्तान के खिलाफ हुए दूसरे मुकाबले में विराट से बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह पारी की शुरुआत करते हुए 4 रन ही बना पाये। इसके बाद

अमेरिका के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट एक बार फिर असफल रहे। इस मैच में वह सौरभ नेत्रावलकर की गेंद पर कैच हुए।

टी20 विश्व कप : न्यूजीलैंड को 13 रन से हराकर सुपर आठ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी वेस्टइंडीज

त्रिनिडाड (ईएमएस)। वेस्टइंडीज की टीम ने यहां हुए टी20 विश्व कप के एक लीग मुकाबले में न्यूजीलैंड को 13 रन से हरा दिया। इसी के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम विश्वकप के सुपर आठ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गयी है। वेस्टइंडीज के साथ हुए मुकबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 149 रन बनाए और न्यूजीलैंड को जीत के लिए 150 रनों का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए कीवी टीम 136 रन ही बना पायी। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज ने सुपर 8 में जगह बना ली है। इससे पहले भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सुपर 8 में पहुंची थीं। इस मैच में पहुले बल्लेबाजी करते हुए

वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 149 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग औ‍ जॉन्सन चार्ल्स विफल रहे। किंग ने 12 गेंदों में 9 रन बनाए जबकि चार्ल्स खाता भी नहीं खोल पाये। इसके अलावा निकलस पूरन ने 17, रोस्टन चेज ने 0, रोवमेन पॉवेल ने 1, आंद्रे रसेल ने 14 रन जबकि अकील हौसेन 15 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर से शेरफन रदरफोर्ड ने सबसे अधिक रन बनाये। रदरफोर्ड ने 39 गेंदों में 68 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के और 2 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 174 के आस पास रहा। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने 3 विकेट लिए। टिम साउदी और लॉकी फर्ग्यूसन को 2-2 विकेट मिले।

न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही। ओपनर डेवॉन कॉन्वे के केवल 5 रन बनाकर आउट हो गए। उनके साथ उतरे फिन एलन भी 26 रन बनाकर रसेल के हाथों कैच हुए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे अधिक 40 रन बनाये। न्यूजीलैंड की टीम 136 रन ही बना पायी।

यूरो कप 2024 में भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान अहम भूमिका निभाएंगे रोनाल्डो : छेत्री

लय में आने पर हो जाते हैं बेहद खतरनाक

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जितना खतरनाक कोई अन्य खिलाड़ी नहीं हैं। छेत्री के अनुसार यूरो कप 2024 में भी रोनाल्डो अहम भूमिका निभाएंगे। 39 साल के रोनाल्डो ने नवंबर 2023 के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय गोल नहीं किया है। इसके बाद भी छेत्री का कहना है कि रोनाल्डो जैसा कोई और नहीं है।

छेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि रोनाल्डो अधिक से अधिक मैच खेलेंगे। मैं उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। हो सकता है कि वह शुरुआत में तेजी से नहीं खेल पायें पर एक बार लय में आने के बाद उनके जैसा खतरनाक खिलाड़ी दूसरा कोई नहीं है। पुर्तगाल की टीम कई स्टार खिलाड़ियों से भरी है। साथ ही कहा कि वे गेंद को अपने पास रखने में बहुत अच्छे हैं, अधिकतर वे विरोधी टीम पर हावी रहते हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए वे रोनाल्डो को बेंच पर भी रख सकते हैं। हाल में खेल को अलविदा कहने वाले छेत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि कोच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन करेगा पर रोनाल्डो का होना हमेशा ही टीम को बढ़त देता है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैदान पर जब भी मौका मिलता है तो उस अवसर को गोल में बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि एक प्रशंसक के तौर पर, जिसने पिछले 20 सालों में उनसे बहुत कुछ सीखा है, मुझे उम्मीद है कि हम उन्हें मैदान पर और भी ज्यादा समय तक देख पाएंगे। छेत्री को यूईएफए यूरो 2024 के लिए विशेषज्ञ पैनल में रखा गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद ,सेंसेक्स 204 अंक, निफ़्टी 75 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इस साल ब्याज दरों को कम करने की संभावनाओं से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति दर में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर 4.7 फीसदी रह गई, जो 12 महीने में इसका सबसे कम आंकड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.27 फीसदी करीब 204.33 अंक बढ़कर 76,810.90 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.33 फीसदी तकरीबन 75.95 अंक उछलकर 23,398.90 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.73 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टाइटन, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर नीचे आया। इसमें 1.64 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, आईटीसी, एनटीपीसी और टाटा मोटर्स के शेयर भी टूटे।

बाजार जानकारों के अनुसार आर्थिक मोर्चे पर मुद्रास्फीति में कमी के आंकड़ों से आने वाले समय में ब्याज दरमें कटौती की उम्मीद है। इसके अलावा कैपिटल गुड्स,कंज्यूमर ड्यूरेबल और इंडस्ट्रियल शेयरों में भारी खरीदारी से भी बाजार को बल मिला है।

वहीं दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही जबकि जापान के निक्की और चीन के शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार दोपहर के सेशन के दौरान गिरावट में कारोबार कर रहे थे जबकि अमेरिकी के ज्यादातर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार ने महंगाई के आंकड़ों में गिरावट के कारण नए रिकॉर्ड स्तर पर शुरुआत की। खुलते ही बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी ने नए शिखर छुए, बीएसई सेंसेक्स 77,102 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,481 के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क इंडेक्स ने अपनी बढ़त को कुछ हद तक गंवा दी थी। सेंसेक्स 373 अंकों की बढ़त के साथ 76,979 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी50 0.50 प्रतिशत बढ़कर 23,439 के स्तर पर पहुंच गया।

सोना फिसला, चांदी 90 हजार से नीचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सराफा बाजारों में सोने और चांदी के वायदा कारोबार में गुरुवार को नरमी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 495 रुपये की गिरावट के साथ 71,475 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 1,499 रुपये की गिरावट के साथ 88,946 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 2,010 रुपये की गिरावट के साथ 88,435 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,340.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,354.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 23.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,331.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.80 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.26 डॉलर था। इस समय यह 1.03 डॉलर की नरमी के साथ 29.23 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आज का भारत दुनिया के नक्शे पर अलग भारत हैः उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (ईएमएस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ सुदेश धनखड़ आज दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान के जैसलमेर पहुंचे। जैसलमेर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत राजस्थान सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल एवं अन्य गणमान्य जनों द्वारा किया गया। जैसलमेर से उपराष्ट्रपति महोदय हेलीकॉप्टर द्वारा तनोट माता के मंदिर में पहुंचे जहां सीमा सुरक्षा बल के जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जगदीप धनखड़ व डॉ सुदेश धनखड़ ने तनोट माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की और समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

उपराष्ट्रपति जी ने कहा – ''जैसलमेर में लोंगेवाला के समीप तनोट माता मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिला। मां के श्री चरणों में शीश झुका कर धन्य हुआ! यह दिव्य मंदिर विषम परिस्थितियों में देश की रक्षा में तैनात जवानों की अटूट श्रद्धा का केंद्र है। तनोट माता से प्रार्थना है कि समस्त देशवासियों को सुख, समृद्धि और खुशहाली दें,

सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें!''

इसके पश्चात् उपराष्ट्रपति अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बावलियांवाला चौकी पहुंचे और वहां तैनात बीएसएफ के जवानों से मुलाकात की। कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे सैनिकों की प्रशंसा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके साहस और त्याग के कारण ही सभी देशवासी चैन की नींद सो पाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आप लोगों का योगदान, आपकी तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा अभिनंदनीय है, आप बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में देश सेवा करते हो।''एड़ के जवानों के हौसले बढ़ाने में माताओं- बहनों का बहुत बड़ा योगदान है जिन्होंने दिल पर पत्थर रखकर कहा कि, जाओ और अपने देश की रक्षा करो। आज का भारत दुनिया के नक्शे पर अलग भारत है।

सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से है, पाँचवी महाशक्ति है। कुछ वर्षों में हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। 2047 में विकसित भारत होगा, आप इस मैराथन के सिपहसालार हैं। जगदीप धनखड़ व डॉ सुदेश धनखड़ ने तनोट माता के दर्शन कर पूजा अर्चना की और समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। आपका काम बहुत चुनौतीपूर्ण है, आपकी राष्ट्र भावना, राष्ट्र के प्रति आपका प्रेम, आपकी प्रतिबद्धता वंदनीय है। मैं आपको नमन करता हूँ, देश के जवानों पर मुझे गर्व है, आप सभी का अभिनंदन करता हूँ।

जी-7 के दौरान यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेगा अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली रवाना हो गए हैं। सम्मेलन के दौरान वह यूक्रेन के साथ नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। इस दौरान यूक्रेन को अमेरिका के दीर्घकालिक समर्थन का वचन दिया जाएगा। हालांकि, इसके पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि राष्ट्रपति बाइडन शिखर सम्मेलन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फिर से मुलाकात करने और फिर एक प्रेसवार्ता करने वाले हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि नए समझौते से स्पष्ट हो जाएगा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में अमेरिका भविष्य में भी यूक्रेन का समर्थन जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर करके हम रूस को अपने संकल्प का संकेत भी देने वाले हैं। सुलिवन ने कहा, यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लगता है कि वह यूक्रेन के समर्थन में उतरे गठबंधन से अधिक समय तक टिक सकते हैं, तब वह गलत हैं। सुलिवन ने कहा, 15 देशों ने अपने सुरक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जो यूक्रेन की रक्षात्मक निवारक क्षमता को मजबूत करने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी समझौते में यूक्रेन का साथ देने के लिए अमेरिकी कांग्रेस के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी, लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी सेना का उपयोग करने की प्रतिबद्धता नहीं होगी। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य रूस को यह संकेत देना है कि अमेरिका कीव को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि बाइडन यूरोप की यात्रा पर जा रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने कहा कि सुरक्षा समझौता रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा के लिए सीधे अमेरिकी सैनिकों को भेजने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होगा।

जीवन बीमा की पॉलिसी पर मिलेगी ऋण सुविधा पालिसी धारक को मिलेगा, पालिसी रद्द करने का अधिकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीमा नियामक आयोग इरडा ने बीमा धारकों के हितों की रक्षा के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इरडा ने जो सर्कुलर जारी किया है। उसके अनुसार अब सभी जीवन बीमा पॉलिसियों पर बीमाधारक लोन भी ले सकेंगे। जो बीमाधारक बीच में अपनी पॉलिसी कैंसिल करना चाहता है। इसका अधिकार बीमा धारक को दिया गया है।

इरडा ने बीमा क्षेत्र में सुधार के लिए कई घोषणा की है। जीवन बीमा पॉलिसी का धारक अब बिना कारण बताए पाल्सी को खत्म कर सकता है। बीमा धारक को कंपनी अनुपातिक प्रीमियम वापस करेगी। इसके लिए 1 वर्ष तक बीमा पॉलिसी का चलना अनिवार्य है।

पॉलिसी धारक को सस्ती दरों पर लोन लेने की सुविधा होगी। जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा के फ्री लुक पीरियड को 15 दिन से बढ़कर 30 दिन किया गया है। यदि पॉलिसी के कोई फीचर पसंद नहीं आते हैं। ऐसी स्थिति में पॉलिसी को वापस किया जा सकता है। उच्च शिक्षा में बच्चों की पढ़ाई, शादी, मकान खरीदने के लिए भी जीवन बीमा पॉलिसी से राशि आहरण की सुविधा दी जाएगी।

बीमा पॉलिसी के नए नियम 1 अगस्त 2024 से लागू हो जाएंगे। इरडा ने बीमा कंपनियों से कहा है। वह अपने क्षेत्र में सभी अस्पतालों में फिजिकल हेल्प डेस्क तैयार करें। जहां पर स्वास्थ्य बीमा से संबंधित पाल्सी धारक को तत्काल मदद की सुविधा मिले। अब सभी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी 100 फ़ीसदी कैशलेस होगी। बीमा कंपनियों को पॉलिसी में दी गई जानकारी को आसान भाषा में प्रदर्शित करना होगा।

ब्रिटेन के चुनाव में दिखेगा हिंदूओं का जलवा.....पहली बार जारी हुआ हिंदू घोषणापत्र

लंदन (ईएमएस)। आगामी जुलाई माह में ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव पर भारत के लोगों की नजर है। वहां रहने वाला हिंदू समाज चुनाव में अपनी प्रभावी भूमिका निभाने की तैयारी में है। पहली बार चुनाव से ठीक पहले हिंदू घोषणापत्र जारी किया गया है।

इसका कारण खालिस्तानी समर्थकों द्वारा हिंदू मंदिरों तथा हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं का बढ़ना है। ब्रिटेन में सिख व मुस्लिम समाज का घोषणापत्र आता रहा है, लेकिन पहली बार है जब हिंदू समाज के लोग भी अपना घोषणापत्र लाए हैं।

सात सूत्रीय घोषणापत्र में प्रमुख रूप से हिंदू विरोधी नफरत को धार्मिक घृणा अपराध के रूप में मान्यता देना, उसमें शामिल संगठनों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाना, हिंदू मूल्यों को स्वीकार करना और उसकी रक्षा करने के साथ हिंदू पूजा स्थलों की रक्षा करना शामिल है। मामले से जुड़े व्यक्ति के अनुसार, हमने अपना घोषणापत्र जारी कर कहा है कि जो प्रत्याशी या दल इस घोषणापत्र को स्वीकार करेगा, उसी को हिंदुओं का वोट मिलेगा।

चार दिन पहले लंदन में आयोजित हार्मोनी कांफ्रेंस में यह घोषणापत्र जारी किया गया है, जिसमें ब्रिटेन में सक्रिय 138 हिंदू धार्मिक व सामाजिक संगठनों के 350 से अधिक लोग शामिल हुए थे, जिसमें बाप्स श्री स्वामीनारायण मंदिर, चिन्मय मिशन, हिंदू स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू मंदिर नेटवर्क व हिंदू काउंसिल ऑफ यूके जैसी प्रमुख संस्थाओं के लोग शामिल थे। जानकारों के अनुसार, ब्रिटेन की जनसंख्या में हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोगों की संख्या करीब 1.7 प्रतिशत है।

आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के भ्रामक विज्ञापन के लिए एडु टैप पर जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापन देने के लिए एडटेक कंपनी एडु टैप लर्निंग सॉल्यूशंस पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने विज्ञापन में दावा किया था कि उसके 144 छात्रों का चयन 2023 में आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के लिए हुआ है। सीसीपीए ने जारी आदेश में एडु टैप को सभी इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया से विवादित विज्ञापन को तुरंत हटाने या वापस लेने का निर्देश दिया। कंपनी को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। उपभोक्ता निगरानी संस्था ने पाया कि एडु टैप के यूट्यूब तथा टेलीग्राम चैनल पर विज्ञापनों में प्रतिष्ठित आरबीआई परीक्षा के लिए चुने गए 144 उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरें दिखाई गईं। हालांकि, इन उम्मीदवारों ने मंच से कौन से खास कार्स किए थे यह अहम जानकारी इनमें नहीं दी गई। सीसीपीए के जांच के निष्कर्षों के अनुसार, 144 उम्मीदवारों में से 57 ने केवल एडु टैप द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाने वाले 'इंटरव्यू गाइडेंस कोर्स' में हिस्सा लिया था। यह पाठ्यक्रम उम्मीदवार द्वारा आरबीआई ग्रेड बी परीक्षा के प्रारंभिक और मुख्य चरणों को उत्तीर्ण करने के बाद शुरू होता है। सीपीए के आदेश में कहा गया कि एडु टैप ने सफल छात्रों द्वारा चुने गए कोर्स के प्रकार तथा अवधि के बारे में जानबूझकर महत्वपूर्ण जानकारी छिपाई ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके।

बच्चों को मारने के आरोप में नर्स पर फिर चलेगा केस

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में नर्स लुसी लेटबी पर बच्चों को मारने के आरोप में फिर से मुकदमा दर्ज हुआ है। दरअसल लुसी ने अस्पताल में एक नवजात बच्ची को मारने की कोशिश की थी। 34 साल की लेटबी पर फरवरी 2016 में अस्पताल में समय से पहले जन्मे नवजात को मारने की कोशिश करने का आरोप लगा था।

मामले की शुरुआत कर, वकील निक जॉनसन ने आरोप लगाया कि पूर्व नर्स को एक वरिष्ठ सलाहकार ने रंगे हाथों पकड़ लिया, जब नर्स छोटे शिशु की सांस की नली को उसकी जगह से हटा रही थी।

वकील ने बताया कि नर्स ने बच्चे को एक वेंटिलेटर से कनेक्ट किया था, जिससे वहां बच्चा सांस ले रहा था, और नवजात को एक अन्य मशीन से जोड़ा गया था जो उसकी हार्ट लेवल को कंट्रोल कर रहा था। वकील ने बताया कि अगर बच्चे के हार्ट लेवल या ब्लड में ऑक्सीजन लेवल एक निश्चित लेवल से नीचे आ जाए, तब अलार्म बज जाएगा, लेकिन अलार्म नहीं बजा। दरअसल कुछ समय बाद बाल रोग विशेषज्ञ रवि जयराम नर्सरी में चले गए और देखा कि लेटबी बच्चे के ऊपर खड़ी थी क्योंकि उसका ऑक्सीजन लेवल गिर गया था, वहां अलार्म को रोकने के लिए इस तरह से खड़ी थी। वकील ने आरोप लगाते हुए कहा, नर्स वहां खड़ी थी और अलार्म को बजने से रोक रही थी, आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि लुसी लेटबी इस मामले में दोषी है और उन्होंने बच्चे की ट्यूब को उसकी जगह से हटा दिया था।

रेलवे पैसे बचाने बाजार में घूम कर खरीद रही है सस्ती चीज!

झांसी मंडल ने पांच करोड़ से अधिक की बचत की, अन्य जोनों में अपना रही यही तरीका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रेलवे भी बचत करने के लिए आम उपभोक्ता की तरह कोई भी चीज खरीदने से पहले उसके भाव की तुलना करती है और उसके बाद खरीद रही है। इसका लाभ भी मिल रहा है। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल ने इसी तरीके से पांच करोड़ से अधिक की बचत कर ली है। अन्य जोनों में भी बचत का यह तरीका अपनाया जाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के एक जन संपर्क अधिकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल अप्रैल माह में मध्य प्रदेश क्षेत्र से 5.28 करोड़ रुपये की बिजली व्यय में राजस्व बचत की गयी है। यह बचत खुले बाजार से बिजली खरीद से संभव हुई है। उन्होंने बताया कि पूर्व में मंडल द्वारा बिजली चुनिन्दा कंपनियों से ही खरीदी जाती थी, जिसका तय की गयी दरों के अनुसार ही भुगतान करतना पड़ता था लेकिन रेलवे ने इसमें बदलाव कर दिया है।

अब चु?निंदा कपंनियों के बजाए खुले बाजार से बिजली खरीदी जा रही है। मध्य प्रदेश क्षेत्र के 10 स्टेशनों से यह बचत की गयी है, इसमें दतिया, हेतमपुर, ग्वालियर, भिंड, हरपालपुर, निवाड़ी, मालनपुर, ईशानगर, सांक एवं बसई के सब स्टेशन शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे बचत करने के लिए नए-नए तरीके अपना रहा है, जैसे उत्तर रेलवे कबाड़ बेच कर करोड़ों रुपये कमा रहा है। यह जोन कबाड़ से कमाई में पूरे देश में नंबर बन गया है। रेलवे के अनुसार इस तरह बचत कर यात्री सुविधाओं को और बेहतर किया जा रहा है।

डैग्रन के झूठे वादों से परेशान हुआ नेपाल......अब खरी-खरी सुनाने को तैयार

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल सरकार चीन के झूठे वादों से परेशान है और अब इस पूरे मुद्दे को जिनपिंग सरकार से उठाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि 25 जून को दोनों देशों के बीच यह बातचीत होगी। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइडोंग बैठक के लिए काठमांडू आएंगे।

नेपाल के विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा कि बैठक में चीन और नेपाल के बीच सभी मुद्दों पर बात होगी। माना जा रहा है कि इसमें सबसे अहम सीमा विवाद है। चीन ने नेपाल के कई इलाकों पर कब्जा कर रखा है।

नेपाल के कई बार गुहार लगाने के बाद चीन ने किसी तरह से व्यापारिक रास्ता खोला है। वहीं चीनी ठेकेदार लगातार नेपाल को गच्चा दे रहे हैं। वे नेपाल में सड़कों को बनाने और उन्हें चौड़ा करने के काम में हीलाहवाली कर रहे हैं। इससे काठमांडू रिंग रोड का काम पूरा नहीं हो पा रहा है, जिससे नेपाल सरकार परेशान है। चीन ने वादा किया था कि वह नेपाल से सामानों का आयात करेगा और व्यापार संबंधों में बदलाव करेगा। इतना ही नहीं नेपाल के कई इलाकों में चीन घुसपैठ कर चुका है। चीनी सेना ने नेपाल एक इलाके में अपनी सैन्य चौकी तक बना ली है।

नेपाल के विरोध करने के बाद भी चीन की सरकार कोई तवज्जो नहीं दे रही है। इस बैठक के दौरान नेपाल व्यापार, पारगमन, कनेक्टिविटी, निवेश, स्वास्थ्य, टूरिज्म, गरीबी उन्मूलन, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, संस्कृति आदि पर बातचीत होगी। वहीं चीन ने नहीं बताया है कि वह किन मुद्दों पर फोकस करेगा। प्रचंड की चीन यात्रा के दौरा सीमा के संयुक्त निरिक्षण पर सहमति बनी थी। इसके बाद नेपाली पक्ष ने इसकी पूरी तरह से तैयारी कर चीन से गुहार लगा रहा है, लेकिन चीन सीमा के संयुक्त निगरानी से भाग रहा है।

नेपाल और चीन के बीच सीमा 1439 किमी लंबी है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रोटोकॉल पर 20 जनवरी, 1963 को समझौता हुआ था। साल 2011 से ही यह बंद है और अभी तक इस पर कोई प्रगति नहीं हुई है। पिछले साल प्रचंड की चीन यात्रा के दौरान सीमा प्रबंधन सिस्टम को लेकर जल्द से जल्द समझौता करने पर सहमति बनी थी। वहीं नहीं नेपाल में चीन के फंड किए गए कई प्रोजेक्ट लटके हुए हैं और बीजिंग उसे आगे नहीं बढ़ा रहा है।

जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश हो सकता है पूर्ण बजट

नई दिल्लीः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई के दूसरे पखवाड़े में पेश कर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विभिन्न मंत्रालयों और पक्षों से बजट के लिए सलाह मशविरे का काम अगले हफ्ते शुरू हो सकता है। बजट से पहले 2023-24 की आर्थिक समीक्षा पेश की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा। इसमें नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी और लोक सभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद राष्ट्रपति लोक सभा और राज्य सभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी और उस पर चर्चा होगी। उन्होंने लिखा, 'राज्य सभा का 264वां सत्र 27 जून को शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था, जिसमें सरकारी खजाने को मजबूती देने के सरकार के संकल्प का ध्यान रखा गया था। सरकार ने राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसदी से नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के बराबर रहने का अनुमान लगाया गया है।

बजट में यह भी पता चलेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक से मिले 2.11 लाख करोड़ रुपए के भारी भरकम लाभांश का इस्तेमाल सरकार किस तरह करेगी। इससे सरकार को वित्तीय मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है और खर्च संभालने में भी उसे ज्यादा सहूलियत होगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा है कि अगर सरकार की नीतियों में निरंतरता बनी रहती है तो वह आगले दो साल में भारत की रेटिंग को अपग्रेड कर सकती है। मगर इसके लिए जरूरी है कि सरकार आर्थिक सुधार बढ़ाए, बुनियादी ढांचे पर ज्यादा निवेश करे और राजकोषीय एवं मौद्रिक मोर्चे पर उसकी नीतियां सतर्कता भरी रहें।

देश में विरोधियों को नहीं.....लेकिन पाकिस्तानी नेता को ईवीएम पर भरोसा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारत के विपक्षी नेता चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल उठाते रहते हैं। लेकिन पाकिस्तानी संसद में एक विपक्षी नेता ने ईवीएम और भारतीय चुनावी प्रणाली की तारीफ की। पाकिस्तान के विपक्ष के नेता शिबली फराज ने पाकिस्तान की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाकर कहा कि भारत ने इतना बड़ा चुनाव बिना किसी धांधली के करा लिया।

दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने सीनेटर फराज ने चुनावी प्रक्रिया और धांधली पर सवाल उठाकर कहा, मैं अपने दुश्मन देश का उदाहरण नहीं देना चाहता, अभी चुनाव हुए हैं वहां... 80 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट किया है.. कितने हजारों मतदान केंद्र बनाए गए.. एक जगह पर एक आदमी तक के लिए मतदान केंद्र बना दिए उन लोगों ने। एक महीने से ज्यादा समय तक चुनाव हुआ, ईवीएम से चुनाव कराए गए।

उन्होंने कहा, पूरे चुनाव के दौरान क्या एक भी आवाज उठी कि चुनाव में धांधली हुई है। हम भी यही चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि ये देश इसी बात में फंसकर रह जाए कि ये चुनाव जीता या वहां जीता.. न जीतने वाला मानता है न हारने वाला। फराज ने कहा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के बावजूद, भारत ने धोखाधड़ी के आरोपों के बिना अपने यहां विशाल चुनाव सफलतापूर्वक करा लिया।

गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद वायनाड में चुनाव आयोग पर सवाल उठाया था, उन्होंने कहा था, चुनाव आयोग ने चुनाव को पीएम की चुनावी जरूरतों के हिसाब से डिजाइन किया था।

कनाडा में दिखा विशाल यूएफओ, सात मिनट तक दिखी अजीब रोशनी

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के एक ठेकेदार ने एक विशाल चमकदार यूएफओ देखने का दावा किया है। उसने इसे लेकर 10 वर्षों तक शोध किया और दो पेटेंट भी हासिल किए। पेंटागन के उस इंजीनियर समेत तीन गवाहों ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उन्होंने एक फुटबॉल मैदान की आधी लंबाई वाले यूएफओ को देखा है, जिसका आकार डंबल की तरह था। ये इंडिगो नीले रंग का चमक रहा था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक उनका दावा है कि 28 अगस्त 2013 को कनाडा के दक्षिण-पश्चिमी ओन्टारियों में एक पुरानी लॉगिंग रोड पर यह चुपचाप उड़ता दिखा। वहां वह लोग शिकार कर रहे थे। पॉवेल के मुताबिक जिस ठेकेदार ने यूएफओ देखा था, वह उसकी लैब में गए और साथ काम किया। उन्होंने यूएफओ से जुड़ा वीडियो देखा, जिसमें कुछ भी साफ रेकॉर्ड नहीं हुआ था।

उन्होंने कहा, मैं उसकी लैब में गया, जहां एक विशाल 3डी प्रिंटर था। 3-4 इंजीनियर थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 28 अगस्त 2013 को इस यूएफओ को उन्होंने रात 9:40 के करीब देखा। वह भालू का शिकार कर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि हम मेन रोड से 10-12 किमी दूर थे, तभी हमने एक चमकदार रोशनी देखी। उन्होंने बताया कि एक चमकदार नीली रोशनी निकल रही थी। वहीं इसका आकार डंबल की तरह था। यह लगभग 170 फीट लंबा, 60 फीट चौड़ा और 20 फीट ऊंचा था। क्योंकि यह धीरे-धीरे उड़ रहा था, इसलिए वह इसे अच्छे से देख सके। बैरिंस ठेकेदार अपने बिजनेस के कारण पहचान नहीं जाहिर करना चाहते।

लो...अब चीन ने शौचालय में लगा दिए टाइमर

बीजिंग (ईएमएस)। चीन अपने नागरिकों पर निगरानी के नए तरीके अपनाने के लिए बदनाम रहा है। इस कड़ी में अब चीन ने शौचालयों में टाइमर लगा दिए हैं, जिससे पता चल सके कि लोग कितना समय अंदर गुजार रहे हैं। टॉयलेट्स के बाहर लगे टाइमर के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल युंगांग बौद्ध ग्रोटोज के शौचालयों से ये फोटो सामने आए हैं। यहां जो शौचालय बने हैं, उनमें टाइमर लगे हैं। ये यह बताते हैं कि आप कितनी देर से शौचालय में हैं। हर एक टॉयलेट का अपना डिजिटल टाइमर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जब कोई टॉयलेट खाली होता है, तब पिक्सेल वाली एलईडी स्क्रीन पर हरे रंग में खाली लिखा दिखता है। जब कोई टॉयलेट के अंदर जाता है, तब दरवाजा बंद होते ही इस पर टाइम आना शुरू हो जाता है और ये मिनट और सेकंड को दिखाता है। दरवाजा खुलने पर ये देखा जा सकता है कि किसी ने कितनी देर तक टॉयलेट का यूज किया है। टॉयलेट्स में टाइमर का वीडियो चीनी सोशल मीडिया साइट वीबो पर काफी वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने इसकी आलोचना कर रहे है। एक यूजर ने लिखा कि पर्यटक स्थल कोई कार्यालय नहीं है कि शौचालयों की निगरानी की जाए। यह वास्तव में गैर जरूरी कदम है। टाइमर लगाने में आए खर्च को और ज्यादा शौचालय बनाने में खर्च करना ज्यादा अच्छा होता।

स्थानीय कर्मचारियों का कहना है कि हम कोई समय सीमा निर्धारित नहीं कर रहे हैं कि कोई व्यक्ति शौचालय का उपयोग कितनी देर तक कर सकता है। ये टाइमर टूरिस्ट की बढ़ती संख्या से निपटने के लिए लगाए गए थे। इसकी सबसे अच्छी बात ये है कि टाइमर होने से आपको बाहर कतार में लगने या बाथरूम का दरवाजा खटखटाने की जरूरत नहीं है। चीन के इस कदम को उसकी सामाजिक क्रेडिट प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। चीन ने 2020 में सोशल मीडिया की आदतों का विश्लेषण करके एक सामाजिक क्रेडिट की शुरुआत की। सामाजिक क्रेडिट प्रणाली को अच्छे नागरिकों को पुरस्कृत करने और आलसी या असभ्य माने जाने वालों को दंडित करने के लिए डिजाइन किया गया था।

बढ़ती महंगाई पर काबू पाने सरकार की16और वस्तुओं के भावों पर नजर!

- मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार चिंतित दिख रही है। इसी क्रम में केंद्र सरकार उन आवश्यक वस्तुओं की सूची में 16 नई वस्तुओं को शामिल करने की तैयारी कर रही है जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। अगर ऐसा हुआ तो मूल्य निगरानी वाली वस्तुओं की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने 2024 के घोषणा पत्र में कहा था कि गरीब परिवारों के लिए अपनी गारंटी के तहत वह गरीब की थाली की सुरक्षा के लिए अपने प्रयासों का विस्तार करेगी। पार्टी ने कहा था कि सरकार अपने 100 दिन के एजेंडे के तहत उन वस्तुओं की सूची का विस्तार करेगी जिनकी कीमतों पर नजर रखी जाती है। फिलहाल इस मुद्दे पर चर्चा चल रही है। सूत्रों ने बताया कि सब्जियों की कीमतों में सबसे अधिक उतार-चढ़ाव दिखता है। इसलिए मूल्य निगरानी वाली 16 नई संभावित वस्तुओं सब्जियों को शामिल किया जा सकता है। आवश्यक वस्तुओं की खुदरा एवं थोक कीमतों पर नजर रखने से सरकार को उसमें उतार-चढ़ाव को बेहतर ढंग से समझने और आवश्यक उपाय करने में मदद मिलेगी। फिलहाल सरकार 22 आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर नजर रखती है ताकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर उनके प्रभाव का आकलन किया जा सके। देश भर के 167 केंद्रों से इन 22 वस्तुओं की थोक एवं खुदरा कीमतें रोजाना एकत्र की जाती हैं। हाल में भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में भीषण गर्मी और सूखे की स्थिति के कारण खाद्य वस्तुओं और खास तौर पर फल-सब्जियों की कीमतों पर दबाव बढ़ने के लिए चिंता जताई थी।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि रबी सीजन में दाल और सब्जियों की आवक पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी को देखते हुए केंद्र सरकार ने हाल के समय में कई उपायों की घोषणा की है। इसी क्रम में अनाज के निर्यात पर पाबंदी लगाई गई और शुल्क मुक्त दलहन एवं खाद्य तेलों के आयात की अनुमति दी गई है। बहरहाल, जिन 22 वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखी जाती है, उनमें चावल, गेहूं, चीनी, गुड़, नमक, दूध, चाय, आलू, प्याज, टमाटर, चना दाल, अरहर दाल, उड़द दाल, मूंग दाल, मसूर दाल, मूंगफली तेल, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम ऑयल और वनस्पति घी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि सरकार दलहन और प्याज जैसी वस्तुओं के दाम ऊपर-नीचे होने पर चरणबद्ध प्रतिक्रिया के लिए बेहतर नीति लाने की भी तैयारी कर रही है। सूत्रों ने कहा कि प्याज के भंडारण के लिए बुनियादी ढांचे को बेहतर करना भी नए मंत्री की प्रमुख प्राथमिकता होगी ताकि भंडारण में नुकसान को कम करने में मदद मिल सके।

कुवैत हादसाः बिल्डिंग में ठूंस- ठूंस के भरे थे लोग, भागने तक की नहीं मिली जगह

कतर,(ईएमएस)। कुवैत की एक बिल्डिंग में बुधवार लगी भीषण आग में अब तक 50 लोग की मौत की पुष्टि हुई। खबरों के मुताबिक मरने वालों में सबसे ज्यादा 40 भारतीय मजदूर हैं। इस घटना को लेकर कुवैत सरकार ने लापरवाही बरतने के लिए बिल्डिंग मालिक और अन्य जिम्मेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक आग लगने की घटना को लालच का नतीजा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है दक्षिण कुवैत के मंगाफ में प्रवासी मजदूरों के आवास वाली एक इमारत को किराए पर लिया था। इस इमारत में मजदूर रहते थे। इस बिल्डिंग में कुल 196 लोग रह रहे थे जो बिल्डिंग की क्षमता से ज्यादा थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बिल्डिंग में मजदूरों को जानवरों की तरह कर रखा गया था।

बता दे कि बुधवार तड़के छह मंजिला इमारत की किचन में सुबह 4 बजे यह आग लगी थी जिसकी चपेट में पूरी बिल्डिंग आ गई। बताया जा रहा है कि ज्यादातर मजदूर रात को नाइट शिफ्ट करके लौटे और सो रहे थे। आग इतनी ज्यादा इसलिए फैली क्योंकि इसे बुझाने का मौका नहीं मिला और लोगों को भागने का मौका नहीं मिला क्योंकि जगह काफी कम थी। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी ताकि उनकी जान बच सके। इस हादसे में कई भारतीय की जान गई है। भारतीय दूतावास इस पर बराबर नजर रख रहा है और मरने वालों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

रुस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम हो रहा फेल.....चिंतित भारत, अमेरिकी एटीएसीएमएस रॉकेट के सामने टिक नहीं पा रहा

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन युद्ध में अब रूसी हथियारों की युद्धक क्षमता की पोल खुल रही है। यूक्रेनी सेना ने क्रीमिया की सुरक्षा में तैनात किए गए रूसी एस-400 एयर डिफेंस को आसानी से तबाह करना शुरू किया है। यूक्रेनी सेना अमेरिका की ओर से दिए गए एटीएसीएमएस रॉकेट का इस्तेमाल कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी सेना ने मई महीने में 10 आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम रॉकेट से क्रीमिया के सेवास्तोपोल के बाहर बेलबेक में स्थित रूसी ठिकाने पर भीषण हमला बोला था। इसमें एस-400 सिस्टम के दो लांचर और एक रेडॉर तबाह हो गए। यह वहीं एस-400 सिस्टम है जिसे रूस दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताता रहा है और भारत ने भी 5 की संख्या में एस-400 खरीद रहा है। इसमें केवल 3 ही भारत को मिले हैं।

दो टन वजनी इस अमेरिकी रॉकेट सिस्टम में ग्रेनेड के आकार के हजारों बॉम्बलेट थे जिन्होंने एस-400 सिस्टम को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इस हमले के तुरंत बाद रूसी सेना ने नष्ट हुए एस 400 की जगह पर दूसरा सिस्टम तैनात किया। रूस का दावा था कि एस 400 अजेय है, एस-400 को नष्ट नहीं किया जा सकता है लेकिन अब अमेरिकी मिसाइलों के आगे यह एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहा है।

यूक्रेनी सेना ने बताया कि एस-300 और एस 400 एक-एक रेडॉर को भी नष्ट किया है। यूक्रेन की सेना ने तीन तरफ से रूसी ठिकाने पर हमला किया। बेलबेक में एस तरह से रूस के लिए जाल बन गया है, जहां उसके सबसे अच्छे एयर डिफेंस सिस्टम फेल साबित हो रहे हैं। जिस तेजी से रूस बेलबेक में अपने एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात कर रहा है, उसी तेजी से यूक्रेनी सेना उन्हें तबाह कर रही है। रूस अब तक 2 एस 400 कमांड पोस्ट, 4 रेडॉर और 16 लॉन्चर यूक्रेनी हमले में गंवा चुका है। एस 400 को एंटी मिसाइल क्षमता के लिए जाना जाता है लेकिन अमेरिकी रॉकेट के सामने ये फेल साबित हो रहा है। रूस के पास अभी 50 एस 400 सिस्टम है। एस 400 का नष्ट होना भारत के लिए भी बुरी खबर है। भारत ने अरबों डॉलर खर्च करके 5 रूसी सिस्टम खरीदे हैं, ताकि चीन और पाकिस्तान का जवाब दिया जा सके लेकिन अब इस रूसी एयर डिफेंस सिस्टम की क्षमता पर ही सवालिया निशान लग गया है।

अजय चौहान विरुद्ध एसीबी ने दर्ज किया मामला

गुजसेल के अलावा वे अन्य कंपनी को फ्लाइंग ड्यूटी की सेवा नहीं दे सकते हैं

अहमदाबाद, १३ जून।

चौहान पर सत्ता का दुरुपयोग कर ७२ लाख से ज्यादा का घोटाला करने का आरोप है। गुजसेल के अकाउंटेंट व एक एविएशन कंपनी के निदेशक को भी आरोपी बनाया है।

गुजरात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुजरात स्टेट एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी लिमिटेड (गुजसेल) के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैप्टन अजय चौहान के विरुद्ध अहमदाबाद शहर एसीबी थाने में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। चौहान फिलहाल निलंबित चल रहे हैं। उनके साथ गुजसेल के अकाउंटेंट अल्पेशकुमार प्रजापति और केशमेक एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अल्पेश त्रिपाठी को भी आरोपी बनाया गया है।

एसीबी के तहत आरोपी कैप्टन अजय चौहान पर आरोप है कि उन्होंने उनके कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री व राज्य सरकार के अन्य महानुभावों के लिए खरीदे गए विमान (एयरक्राफ्ट) में सत्ता का दुरुपयोग करते हुए किसी प्रकार की सरकारी मंजूरी के बिना कई बार अपने परिजनों को हवाई सफर कराया। ऐसा कर सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा गुजसेल के अलावा वे अन्य कंपनी को फ्लाइंग ड्यूटी की सेवा नहीं दे सकते हैं। यह बात जानते हुए भी उन्होंने आर्यन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में फ्लाइंग ड्यूटी की सेवा दी। इसके एवज में उन्होंने आर्थिक लाभ लिया। चौहान सिविल एविएशन निदेशक के रूप में २००४ में जुड़े थे। जनवरी २०१० में उन्हें गुजसेल सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। वे फरवरी २०२३ तक करीब १३ साल तक इस महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत रहे। इनके विरुद्ध मिली गंभीर शिकायतों के चलते उन्हें फरवरी २०२३ में निलंबित किया गया।

गुजसेल में मैन पावर के लिए उन्होंने केशमेक एविएशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ गैर कानूनी रूप से करार किया। केशमेक एविशएन के निदेशक अल्पेश त्रिपाठी के साथ मिलकर ठेके पर कर्मचारी को नौकरी देने के नाम पर अल्पेश की कंपनी के पास से १० लाख रुपए लेने का आरोप है। गुजसेल के अकाउंटेंट अल्पेश प्रजापति ने भी खुद केशमेक कंपनी का कर्मचारी नहीं होने, उन्हें कोई अधिकार न होने के बावजूद भी कैप्टन अजय चौहान और अल्पेश त्रिपाठी के साथ मिलीभगत करते हुए केशमेक कंपनी के चार लाख ६० हजार रुपए कीमत के बिलों में हस्ताक्षर किए। इस हस्ताक्षर किए गए बिल की राशि प्राप्त की।

एसीबी के तहत इन तीनों ही आरोपियों ने एक साथ मिलकर, एक दूसरे की मदद करते हुए अपनी सत्ता का दुरुपयोग करते हुए ७२ लाख रुपए का भ्रष्टाचार किया है। ऐसा कर सरकार को चपत लगाई है। मामले की प्रारंभिक जांच करते हुए अहमदाबाद एसीबी थाने के पीआई डी एन पटेल ने चौहान सहित तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। जल्द ही इस मामले में चौहान व अन्य की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

लोकसभा चुनाव में सांसद के रूप में चुनी गईं कांग्रेस नेता गेनीबेन

अहमदाबाद, १३ जून।

गुजरात कांग्रेस नेता गेनीबेन नागाजी ठाकोर ने हाल ही में विधायक पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में बनासकांठा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस सांसद चुनी गई थीं। गेनिबेन को इस लोकसभा चुनाव में कुल ६७१८८३ वोट मिलेऔर उन्होंने३०हजार से अधिक वोटों केअंतर से भाजपा कैंडिडेट रेखाबेन हितेशभाई चौधरी को हराया था। गुजरात कांग्रेस नेता गेनीबेन नागाजी ठाकोर ने हाल ही में विधायक पद से इस्तीफा दिया है। बता दें कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में बनासकांठा संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस सांसद चुनी गई थीं। गेनिबेन को इस लोकसभा चुनाव में कुल ६,७१,८८३ वोट मिले और उन्होंने ३० हजार से अधिक वोटों के अंतर से भाजपा कैंडिडेट रेखाबेन हितेशभाई चौधरी को हराया था।

रेखाबेन को कुल ६ ४१ ४७७ वोट मिले और दूसरे नंबर पर रहीं। साथ ही बसपा के मशरूभाई परमार तीसरे नंबर पर रहे, उन्हें ९९२९ वोट मिले थे। बता दें कि गेनीबेन नागाजी ठाकोर का पूरा नाम गेनिबेन नागाजी ठाकोर है। गेनिबेन ने स्नातक किया है। महिला राजनीतिज्ञ और कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार गेनिबेन गुजरात विधानसभा में वाव सीट से विधायक भी हैं। उन्होंने २०१२ में कांग्रेस के टिकट पर वाव विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाई थीं।

जानकारी के लिए बता दें कि जब गेनीबेन को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार घोषित किया तो उनके लिए चुनाव प्रचार करना आसान नहीं था। उनकी पार्टी के पास ज्यादा फंड नहीं था। इसके साथ ही इलेक्शन मशीनरी की भी कमी थी, लेकिन उन्होंने क्राउडफंडिंग के जरिए चुनाव लड़ा जीत हासिल की। उन्होंने २०१२ में पहली बार वाव सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। वहीं २०१४ में बनासकांठा सीट हरिभाई परथीभाई चौधरी के खाते में चली गई थी, जबकि २०१९ के चुनावों में यह सीट बीजेपी नेता परबतभाई पटेल के खाते में चली गई थी।

इसके बाद २०१७ में गेनीबेन ने फिर से चुनाव लड़ा और बीजेपी के शंकर चौधरी को हराया। २०२२ में चौधरी पड़ोसी थराड सीट में चले गए, जबकि गेनीबेन ने उस समय फिर से जीत हासिल की।

दिव्या देशमुख ने विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप 2024 जीती

अहमदाबाद, 13 जूनः दिव्या देशमुख ने गुजरात राज्य शतरंज एसोसिएशन द्वारा गिफ्ट सिटी में आयोजित विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 2024 जीती। कजाकिस्तान के नोगेर्बेक काजीबेक ने ओपन वर्ग का खिताब जीता। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल और इर्ळ्ळ के अध्यक्ष श्री अर्कडी ड्वोरकोविच उपस्थित थे। चैंपियनशिप में 46 देशों और पूरे भारत से 228 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें युवा शतरंज प्रतिभा के विविध और प्रतिस्पर्धी क्षेत्र का प्रदर्शन किया गया।

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल की उपस्थिति ने कार्यक्रम की प्रतिष्ठा को बढ़ाया और युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ठहमें गुजरात में इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी करने पर बेहद गर्व है। इन युवा खिलाड़ियों की सफलता सभी के लिए प्रेरणा है, जो कड़ी मेहनत, रणनीतिक सोच और समर्पण के महत्व को दर्शाती है। दिव्या देशमुख और नोगेर्बेक काज़िबेक को इसके लिए बधाई।ठ उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ।ठ .उनकी जीत शतरंज के उज्ज्वल भविष्य और खेल से उभर रही वैश्विक प्रतिभा को उजागर करती है।

पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रतिभा और रणनीति दिखाते हुए कजाकिस्तान के नोगेर्बेक काज़ीबेक ने ओपन वर्ग जीता। उन्होंने 11 में से 8 1/2 अंक अर्जित किये।

15 जून को मंडल रेलवे अस्पताल साबरमती में रक्तदान शिविर का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे अस्पताल साबरमती में विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर 15 जून 2024 को एक महत्वपूर्ण रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक श्री सुधीर कुमार शर्मा सहित मण्डल के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आप सभी से नम्र निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रक्तदान करें।

कार्यक्रम के विवरण इस प्रकार हैंः दिनांकः 15 जून 2024,स्थानः मंडल रेल अस्पताल, साबरमती ,समयः सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक

पंजीकरण के लिए संपर्क करेंः रेलवे फोन नंः 54957,मोबाइल नंः 9409109337, पंजीकरणः रक्तदान के समय भी किया जा सकेगा।

रक्तदान न केवल जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में सहायक होता है, बल्कि यह एक महान सामाजिक कार्य भी है। आप सभी से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नम्र निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रक्तदान करें। आपकी थोड़ी सी मदद किसी की जान बचा सकती है। यह आपके लिए भी एक अनूठा अवसर है जब आप अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा कर सकते हैं और एक नेक कार्य में सहभागी बन सकते हैं।

आईटीसी विवेल ने सॉफ्ट फ्रेश स्किन के लिए ''लाईम+ एलोवेरा सोप'' लॉन्च किया

आईटीसी विवेल अपने सोप पोर्टफोलियो में ''लाईम + एलोवेरा'' वैरिएंट लॉन्च कर रहा है। 10 रु. और फुल वैल्यू सेगमेंट में पेश किया गया यह नया साबुन ताजगीभरा अनुभव प्रदान करेगा।

विवेल के ''लाईम + एलोवेरा'' सोप वैरिएंट में प्राकृतिक तत्वों का ताजगीभरा मिश्रण है, जिसके उपयोग के बाद आपकी स्किन पुनर्जीवित और तरोताजा महसूस करेगी।

मुख्य गुणः150 ग्राम पैक एक ग्रेड 1 साबुन है, जिसमें 97 प्रतिशत प्राकृतिक तत्व हैं।10 रुपये का पैक असम, उत्तर-पूर्व और पश्चिम बंगाल में मिलेगा, जबकि 150 ग्राम के तीन साबुन के साथ 450 ग्राम का फुल वैल्यू पैक रिटेल स्टोर्स, मुख्यतः डीमार्ट में उपलब्ध होगा।

कलर्स का 'सुहागन' 20 साल का लीप लेकर प्यार और विश्वासघात के दौर में कदम रख रहा है, जिसमें प्रगति चौरसिया, अक्षय खरोदिया और ध्वनि गोरी अहम भूमिकाएं निभाएंगे

बिंदिया, पायल और कृष्णा की कहानी से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, कलर्स के 'सुहागन' ने भावनाओं का तूफान लाते हुए 20 साल की जेनरेशन लीप ली है। हाल ही में जारी प्रोमो में बिंदिया और कृष्णा की बेटी स्वरा, और सुधा की बेटी ध्वनि के जीवन पर प्रकाश डाला गया है, जिसने स्वरा के लिए एक मां के रूप में घर में कदम रखा था। स्वरा के रूप में प्रगति चौरसिया, वेदांत के रूप में अक्षय खरोदिया और ध्वनि के रूप में ध्वनि गोरी अभिनीत, इस वैवाहिक ड्रामा के नए दौर में ध्वनि स्वरा के जीवन में उसकी आवाज़ के रूप में कदम रख रही है, क्योंकि बचपन में उसने अपनी आवाज़ और माता-पिता को खो दिया था। उनका बॉन्ड परफेक्ट तरीके से कोरियोग्राफ़ किए गए कथक डुइट की तरह सुंदर और अटूट दिखाई देता है। हालांकि, ध्वनि का असली चेहरा सामने आता है, और वह स्वरा की हर चीज को हथियाने की कसम खाती है। क्या स्वरा किस्मत के इस डांस में अपनी आवाज़ हासिल कर पाएगी, या ध्वनि की भयावह चालें उसके बर्बादी का कारण बनेंगी?

बेसिक गणित से १०वीं पास विद्यार्थी ११वीं साइंस में ले सकेंगे प्रवेश

अहमदाबाद, १३ जून।

गुजरात सरकार के इस महत्व पूर्ण निर्णय का असर ये होगा कि बेसिक गणित से १०वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी सीधे ही ११वीं साइंस में ए, बी या एबी ग्रुप जो चाहें उसमें प्रवेश ले सकेंगे। अभी तक उन्हें स्टैंडर्ड गणित की पूरक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती थी।

बेसिक गणित के साथ १०वीं बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए बुधवार को गुजरात सरकार ने एक अहम निर्णय की घोषणा की है। इसके तहत यदि कोई विद्यार्थी बेसिक गणित के साथ १०वीं की बोर्ड परीक्षा पास करता है, तो वह ११वीं विज्ञान संकाय में ए या एबी ग्रुप में भी प्रवेश ले सकेगा। अभी तक उसे सिर्फ बी ग्रुप में ही प्रवेश मिलता था।

विद्यार्थी को ए या एबी ग्रुप में प्रवेश लेना होता था तो उसे स्टैंडर्ड गणित की जुलाई महीने में होने वाली पूरक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होती थी, लेकिन अब उसे पूरक परीक्षा भी नहीं देनी होगी। उसे सीधे ही प्रवेश मिल जाएगा। पूरक परीक्षा देकर ए या एबी ग्रुप में प्रवेश देने का निर्णय गुजरात सरकार ने नवंबर २०२१ में किया था। गुजरात के शिक्षामंत्री डॉ.कुबेर डिंडोर ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके इस आधिकारिक निर्णय की जानकारी दी। इसमें उन्होंने बताया कि गुजरात सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के तहत परीक्षा को सरल बनाने के लिए यह निर्णय किया है। इसके तहत गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) की ओर से स्टैंडर्ड गणित या बेसिक गणित के साथ १०वीं की बोर्ड परीक्षा पास करने वाला विद्यार्थी अब ११वीं विज्ञान संकाय में ग्रुप ए, ग्रुप बी या ग्रुप एबी में प्रवेश प्राप्त कर सकेगा। इस निर्णय का क्रियान्वयन इसी शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ से किया जाएगा।

गुजरात के स्कूलों में आज से गूंजी बच्चों की किलकारी

कई स्कूलों की ओर से जहां फीस बढ़ा दी गई है तो कई स्कूलों ने अपनी स्कूल की ड्रेस भी बदल दी है

अहमदाबाद, १३ जून।

गुजरात में १३ जून से स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू गया है। ९ मई से शुरू हुई गर्मियों की छुट्टियां बुधवार को खत्म हो गईं। गुजरात के सभी प्राइमरी, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में गुरुवार से एक बार फिर बच्चों की चहल-पहल शुरू होगी। स्कूलों में १३ जून से नया शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ का आगाज होने वाला है। ९ मई से स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां शुरू हुई थीं, १२ जून बुधवार को अवकाश का अंतिम दिन था। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजने के लिए बुधवार को पाठ्यपुस्तकों-नोटबुक की दुकानों, स्कूल बैग, स्कूल ड्रेस की दुकानों पर अभिभावक खरीदी करते नजर आए। अहमदाबाद शहर में कुछ स्कूल तीन चार दिन पहले ही खुल गए हैं।

गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) की ओर से अप्रेल २०२४ में सभी जिला शिक्षा अधिकारी और जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में पहले शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ के अकादमिक गतिविधि कैलेंडर के तहत स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश ६ मई से लेकर ९ जून तक घोषित किया गया था। लेकिन लोकसभा चुनावों को देखते हुए उसमें बदलाव करते हुए ९ मई से १२ जून तक गर्मियों की छुट्टियां घोषित की गईं थीं।

अहमदाबाद सहित राज्य के कई जिलों में इन दिनों में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। कुछ जिलों में बारिश हुई है ऐसे में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। दूसरी ओर फायर सेफ्टी को लेकर स्कूलों में कार्य चल रहा है। कई स्कूल सील किए गए हैं। उसे देखते हुए गुजरात राज्य शाला संचालक महामंडल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर स्कूलों में अवकाश को एक सप्ताह बढ़ाने की मांग की थी। महामंडल के अध्यक्ष भास्कर पटेल ने बताया कि बुधवार को संचालक महामंडल का एक प्रतिनिधि मंडल भी गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात करने के लिए गया था। लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पाई है। सरकार ने इस बारे में अब तक कोई स्पष्टता भी नहीं की है। ऐसे में गुरुवार से स्कूल खुलेंगे।

राज्य में गुरुवार से स्कूल खुलने वाले हैं। ऐसे में अभिभावकों पर महंगाई की मार भी पड़ रही है। कई स्कूलों की ओर से जहां फीस बढ़ा दी गई है तो कई स्कूलों ने अपनी स्कूल की ड्रेस भी बदल दी है। इतना ही नहीं नोटबुक की कीमतों में भी १० से १५ फीसदी का इजाफा हुआ है। इसके अलावा जो अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल वैन और स्कूल ऑटो से पढ़ने भेजते हैं उन पर भी महंगाई की मार पड़ी है। अहमदाबाद स्कूल वर्धी वाहन चालकों ने किराए में २० फीसदी का इजाफा कर दिया है। अब ६५० की जगह ७५० रुपए ऑटो का न्यूनतम किराया देना होगा। स्कूल वैन के लिए हजार की जगह १२०० रुपए किराया देना होगा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा- बाहरी वकील हमें ना दें सलाह

अहमदाबाद, १३ जून।

गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल ने कहाकि गुजरात उच्च न्यायालय पूरी तरह ऑनलाइन है। याचिका ऑनलाइन प्रस्तुत करने से लेकर सुनवाई भी ऑनलाइन की जाती है दिल्ली के एक वकील ने हाईकोर्ट में ऑनलाइन याचिका प्रस्तुत करने में परेशानी की बात कहते हुए यहां के ऑनलाइन सिस्टम पर सवाल उठाए थे। न्यायाधीश अग्रवाल ने कहा कि हमारा सिस्टम पूरी तरह पारदर्शी है तथा सभी के लिए है।

गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल ने कहा है कि गुजरात उच्च न्यायालय पूरी तरह ऑनलाइन है। याचिका ऑनलाइन प्रस्तुत करने से लेकर सुनवाई भी ऑनलाइन की जाती है, दिल्ली के एक वकील ने हाईकोर्ट में ऑनलाइन याचिका प्रस्तुत करने में परेशानी की बात कहते हुए यहां के ऑनलाइन सिस्टम पर सवाल उठाए थे।

मुख्य न्यायाधीश अग्रवाल ने कहा कि दिल्ली के एक वकील ने उच्च न्यायालय में केस फाइलिंग व ऑनलाइन सुनवाई में परेशानी होने की बात कहते हुए इसे सुव्यवस्थित करने की नसीहत दी थी। मुख्य न्यायाधीश ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हाईकोर्ट का सिस्टम पूरी तरह ऑनलाइन है तथा चुस्त-दुरुस्त है।

न्यायाधीश ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से सिस्टम के आधुनिकीकरण के लिए कोई सुझाव आता है तो वे खुद इस पर ध्यान देंगी, लेकिन कोई बाहरी वकील सिस्टम को लेकर सवाल उठाए वह स्वीकार्य नहीं है।

ऑनलाइन केस फाइल करने के साथ ऑनलाइन व व्यक्तिगत रूप से केस की सुनवाई की जा सकती है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट में कोई भी वकील आकर अपने केस की वकालत कर सकता है, किसी को भी नहीं रोका जाता है ऐसे में किसी बाहरी वकील की नसीहत स्वीकार्य नहीं है।

अपने देवताओं का अपमान ना सहें सनातनी लोग : शंकराचार्य

अहमदाबाद, १३ जून।

द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने हिन्दुओं से आह्वान किया है कि आपस में लडने के बजाए इस्लामी व ईसाई षड्यंत्रों के खिलाफ लडें। सनातन धर्म की रक्षा के लिए राजकोट में आयोजित संत संगोष्ठी में शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने कहा कि हिन्दू समाज के सामने धर्मांतरण लव जिहाद तथा विधर्मियों के षड्यंत्र सबसे बड़ी चुनौती है।

द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने हिन्दुओं से आह्वान किया है कि आपस में लडने के बजाए इस्लामी व ईसाई षड्यंत्रों के खिलाफ लडें। शंकराचार्य ने १५ मई को रिलीज होने वाली महाराजा फिल्म मेंदेवी-देवताओंकेअपमान जनक चित्रण पर भी नाराजगी जताई है।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए राजकोट में आयोजित संत संगोष्ठी में शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने कहा कि हिन्दू समाज के सामने धर्मांतरण, लव जिहाद तथा विधर्मियों के षड्यंत्र सबसे बड़ी चुनौती है। समाज के लोगों को आपस में लडने के बजाए धर्म की रक्षा के लिए, इस्लामी व ईसाई धर्मावलंबियों की ओर से मानव सेवा के नाम पर हिन्दुओं के खिलाफ की जा रही साजिशों से सावधान रहना चाहिए।

शंकराचार्य ने बताया कि विश्व हिन्दू परिषद के एक कार्यकर्ता की ओर से भेजे गये पत्र में बताया गया कि आगामी १५ मई को रिलीज होने वाली बॉलीवुड की फिल्म महाराजा में भगवान द्वारिकाधीश व श्रीनाथ जी के पेंडुलम बनाकर अपमानित तरीके से प्रदर्शित किया गया है। सनातन धर्म के मानने वालों को अपने देवी व देवताओं के अपमान को सहन नहीं करना चाहिए।

जबलपुर मंडल में ब्लॉक के कारण वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी

वडोदरा,14जुन

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में स्थित मालखेड़ी और महादेवखेड़ी स्टेशनों के बीच इंजीनियरिंग कार्य हेतु लिए जाने वाले ब्लॉक के कारण राजकोट मंडल से होकर जाने वाली वेरावल-जबलपुर और जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी।

वेरावल से 15.06.2024, 17.06.2024, 22.06.2024, 24.06.2024, 29.06.2024, 01.07.2024, 06.07.2024 और 08.07.2027 को चलने वाली ट्रेन नं 11465 वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग भोपाल-बीना-कटनी मुरवारा-जबलपुर की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-इटारसी-जबलपुर होकर चलेगी।

इसी प्रकार जबलपुर से 24.06.2024, 28.06.2024, 01.07.2024, 05.07.2024 और 08.07.2024 को चलने वाली ट्रेन नं 11466 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग जबलपुर-कटनी मुरवारा-बीना-भोपाल की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जबलपुर-इटारसी-भोपाल होकर चलेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

सीआईआई, आईटीसी होटल्स और ईएचएल ग्रुप ने गुजरात में ईएचएल स्विस प्रोफेशनल डिप्लोमा के माध्यम से वीईटी की पेशकश करने के लिए अपना सहयोग बढ़ाया है

अहमदाबाद/जून 13, 2024: भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भारतीय आतिथ्य में कौशल विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के हिस्से के रूप में, ईएचएल हॉस्पिटैलिटी बिजनेस स्कूल, स्विट्जरलैंड द्वारा पेश किया जाने वाला 18 महीने का व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) व्यावसायिक डिप्लोमा कार्यक्रम अब आईटीसी नर्मदा, अहमदाबाद में है आईटीसी मौर्य (नई दिल्ली), आईटीसी रॉयल बंगाल (कोलकाता), आईटीसी गार्डेनिया (बेंगलुरु), आईटीसी मराठा (मुंबई), आईटीसी ग्रैंड चोल (चेन्नई), आईटीसी राजपूताना (जयपुर), आईटीसी नर्मदा (अहमदाबाद) और आईटीसी कोहेनूर एक नया बैच छात्रों को (हैदराबाद) सहित विभिन्न आईटीसी लक्जरी संपत्तियों में शामिल किया जाएगा, जहां प्रत्येक होटल में 50 से अधिक छात्रों को पढ़ाया और प्रशिक्षित किया जाएगा।

सीआईआई ईएचएल कार्यक्रम के माध्यम से वीईटी के सफल समापन पर अपने छात्रों को नौकरी प्लेसमेंट की गारंटी देता है, जिसे दुनिया भर में सभी प्रमुख आतिथ्य श्रृंखलाओं द्वारा मान्यता प्राप्त है।

भारतीय उद्योग परिसंघ के सलाहकार श्री प्रवीण रॉय ने कहा, उद्योग भारत में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में नियुक्तियों में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि के लिए तैयार है। सीआईआई, आईटीसी होटल्स के साथ रणनीतिक गठबंधन और ईएचएल हॉस्पिटैलिटी के साथ अकादमिक साझेदारी के साथ बिजनेस स्कूल, ईएचएल- यह प्रमाणित प्रशिक्षकों की मदद से बड़ी संख्या में छात्रों को प्रशिक्षित करेगा, जो विभाग प्रबंधक भी हैं। यह कार्यक्रम वास्तव में छात्रों के लिए उद्योग द्वारा है।

आईटीसी होटल्स के टैलेंट मैनेजमेंट के उपाध्यक्ष श्री नीलेश मित्रा ने कहा, हमने कार्यक्रम की शुरुआत चार होटलों के साथ की थी और अब इसे 111 तक अपग्रेड कर दिया गया है। इससे पता चलता है कि देश में आतिथ्य छात्रों द्वारा कार्यक्रम को कितनी अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। क्या तय होता है दूसरों से अलग यह है कि आईटीसी में प्रत्येक छात्र को वास्तविक कार्य वातावरण में प्रशिक्षित किया जाता है, जो उन्हें अनुभव और ज्ञान दोनों प्राप्त करने की अनुमति देता है।

ईएचएल के निदेशक और क्षेत्रीय प्रमुख (दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और म्यांमार) अमन आदित्य सचदेव ने कहा, ''ईएचएल कार्यक्रम के माध्यम से वीईटी विश्व प्रसिद्ध स्विस योग्यता फ्रेमवर्क के सिद्धांतों पर आधारित है। इसका उद्देश्य आसपास के युवाओं को तैयार करना है आतिथ्य उद्योग में अग्रणी नौकरी की भूमिकाओं के लिए दुनिया भर में इस कार्यक्रम के छात्रों को उनकी वैश्विक गतिशीलता और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के माध्यम से उनके कैरियर की उन्नति में महत्वपूर्ण लाभ होगा।

प्रशिक्षण के पहले चरण और उद्योग में लगभग 400 छात्रों के सफल प्लेसमेंट के साथ, अब हम अहमदाबाद में भी इस पहल को शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 19 जून, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 13 जून, 2024: डी डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड (डी पाइपिंग या कंपनी) इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में बुधवार, 19 जून, 2024 को अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी। इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य रू. 10 प्रत्येक) के कुल ऑफर में रू. 3,250 मिलियन तक के नए निर्गम (ताजा निर्गम) और 45,82,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए प्रस्ताव शामिल हैं। (बिक्री के लिए प्रस्ताव)।

इस ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए कुल मिलाकर रू. 10.00 मिलियन (रू. 1 करोड़) तक का आरक्षण शामिल है (कर्मचारी आरक्षण भाग)।

एंकर निवेशक बोली की तिथि मंगलवार, 18 जून, 2024 होगी। बोली/ऑफर सदस्यता के लिए बुधवार,19 जून, 2024 को खुलेगा और शुक्रवार, 21 जून, 2024 को बंद होगा (बोली विवरण)।

ऑफर का प्राइस बैंड रू.193 से रू.203 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 73 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 73 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं।

कंपनी इक्विटी शेयरों के नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करती है (i) 45,82,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री के लिए प्रस्ताव (प्रस्तावित शेयर) जिसमें कृष्ण ललित बंसल (सामूहिक रूप से, प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) द्वारा 45,82,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं, और विक्रय शेयरधारकों द्वारा इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऐसा प्रस्ताव (बिक्री के लिए प्रस्ताव)।

ये इक्विटी शेयर कंपनी के 11 जून, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं, जो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा, नई दिल्ली के पास दाखिल किए गए हैं।

इस रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। प्रस्ताव के प्रयोजनों के लिए, एनएसई नामित स्टॉक एक्सचेंज है।

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड और इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ऑफ़र के बुक रनिंगलीड मैनेजर हैं (बीआ रएलएम)।

कैस्ट्रॉल ने भारत में एज (EDGE) उत्पादों की नई रेंज लॉन्च की

मुंबई, 10 जून 2024: कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने आज कैस्ट्रॉल एज (EDGE)लाइन के तहत उत्पादों की एक नई रेंज लॉन्च की है। ऑन-डिमांड परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस प्रीमियम और एडवांस इंजन ऑयल में अब पैसेंजर कार सेगमेंट के लिए तीन नए वैरिएंट मिलेंगे। ये नए वैरिएंट ऑटोमोटिव उपभोक्ताओं की बदलती ज़रूरतों को पूरा करेंगे।

इस लॉन्च का प्रचार एक प्रभावशाली टेलीविजन कमर्शियल (TVC) कैंपेन द्वारा किया जा रहा है, जिसका शीर्षक 'स्टे अहेड' है, जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार और ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान शामिल हैं। इस टीवी विज्ञापन का भव्य प्रीमियर 9 जून 2024 को बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान ऊ20 मैच के दौरान हुआ, जिसमें शाहरुख खान को एक नए और रोमांचक अवतार में दिखाया गया है। इसमें कैस्ट्रॉल एज का बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया गया है।

यह विज्ञापन बहुत चतुराई से आज की पैपराजी संस्कृति पर आधारित है। इसमें मशहूर हस्तियों को रटरबग्स से 'आगे रहने' के लिए नए-नए तरीके खोजते हुए दिखाया गया है। इस टीवी विज्ञापन का मुख्य संदेश यह है कि कैस्ट्रॉल एज में जरूरत के मुताबिक इंजन के प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) को बढ़ाने की क्षमता है, जिससे ड्राइवर किसी भी स्थिति और इलाके में इसके बेहतरीन प्रदर्शन पर भरोसा कर सकते हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95